CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 151 ता. 08 दिसम्बर 2021, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सदन में मौजूद रहें, अपने व्यवहार में बदलाव लाएं, वर्ना परिवर्तन खुद-ब-खुद हो जाएगा : मोदी

नई दिल्ली ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय दल की बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई है। बैठक में पीएम मोदी ने पार्टी के सांसदों से सख्त लहजे में कहा कि वे मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में उपस्थित रहें। पीएम मोदी ने पार्टी सांसदों को नसीहत दी कि वे लोकहित में काम करें। पीएम मोदी ने सत्र के दौरान संसद में नहीं आने वाले सांसदों को फटकार लगाई। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने सदन में पार्टी सांसदों की अनुपस्थिति पर चिंता जताई। सूत्रों के अनुसार बैठक में पीएम मोदी ने कहा अगर बार बच्चों को बार-बार एक ही चीज के लिए कहा जाए तो वे ऐसा नहीं करते। पीएम मोदी ने कहा कि कृपया अपने व्यवहार में बदलाव लाइए, वर्ना परिवर्तन खुद-ब-खुद हो जाएगा। बैठक में पीएम मोदी ने सांसदों को सूर्य नमस्कार करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, सभी को सूर्य नमस्कार करना चाहिए और उसका कम्पटीशन करिए इससे सब स्वस्थ रहेंगे। स्वस्थ रहेंगे तभी काम कर सकेंगे। पीएम मोदी ने कहा 13 दिसंबर को मैं काशी जा रहा हूं। पहली बार आप सबको मैं वहां आने को नहीं कहूंगा। इस समय संसद चल रही है। इसलिए आप सभी को संसद में रहना चाहिए। आप लोग यहीं रहकर लोगों को काशी के कार्यक्रम बेहतर ढंग से देखने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने पार्टी सांसदों से कहा मैं 14 दिसंबर को चाय पर चर्चा करूंगा। बनारस के सभी जिलों के पदाधिकारियों से चाय पर मिलूंगा। इस बैठक के खत्म होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सांसदों को निर्देश दिए हैं कि सत्र के समापन के बाद आप सबको अपने-अपने संसदीय क्षेत्र के सभी जिलाध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों के साथ चाय पर चर्चा करनी चाहिए। -बैठक की शुरूआत में पीएम मोदी का सम्मान किया गया। यह सम्मान उन्हें 15 नवंबर (बिरसा मुंडा का जन्मदिन) को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐलान करने के लिए दिया गया है।

देश के लिए सैन्य बलों का योगदान अतुलनीय : मोदी

नई दिल्ली । सशस्त्र बल झंडा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सैन्य बलों के अतुलनीय योगदानों की सराहना की और कहा कि उनमें उत्कृष्ट दृढ़ता और साहस है। वर्ष 1949 से, 7 दिसंबर को पूरे देश में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि शहीदों और वर्दी में उन लोगों को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने देश के सम्मान की रक्षा में देश की सीमाओं पर बहादुरी से दुश्मनों का मुकाबला किया और अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। पीएम मोदी ने कहा सशस्त्र बल झंडा दिवस के अवसर पर मैं एक बार फिर सैन्य बलों के अतुलनीय योगदानों को रेखांकित करना चाहूंगा। उनकी दृढ़ता और साहस उत्कृष्ट है। उन्होंने कहा मैं आप सभी से आग्रह करूंगा कि आप भी हमारी सेना के कल्याण में योगदान दें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोरखपुर में जनता को खाद कारखाना और एम्स का दिया तोहफा

गोरखपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नागरिक सेवाओं और विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण के लिये आज गोरखपुर पहुंच गये। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और राज्य के मुख्यमत्री योगी आदत्यिनाथ ने गोरखपुर हवाईअड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। मोदी गोरखपुर में हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के उर्वरक कारखाने और अखिल भारतीय आयुर्वज्ञिान संस्थान (एम्स) सहित कुल 9600 करोड़ रुपये से अधिक मूल य की विकास की कुछ अन्य परियोजनायें राष्ट्र को समर्पित किया। दोपहर लगभग 12ः30 बजे यहां पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी हवाईअड्डे से सीधे आयोजन स्थल के लिये रवाना हुए। यहां उन्होंने उर्वरक कारखाने और एम्स सहित अन्य परियोजजनाओं का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि एम्स की अनुमोदित लागत 1,011 करोड़ रुपए है। इसकी स्थापना 112 एकड़ क्षेत्र में की जा रही है। इस उच्चस्तरीय विशेषज्ञ चिकत्सिा संस्थान के माध्यम से मरीजों को उत्कृष्ट चिकत्सिा सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। इसके अलावा गोरखपुर में स्थापित किए जा रहे भारतीय चिकत्सिा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के रीजनल मेडिकल रिसर्च सेण्टर, इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकुनगुनिया, कालाजार सहित कोविड-19 जैसी बीमारी के वायरस की पहचान करने तथा उसके उपचार के लिए अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत-रूस कोरोना टीकाकरण प्रमाण-पत्र को स्वीकार्यता देने की औपचारिकताएं जल्द पूरा करेगा

नई दिल्ली ।

कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए वैकिसीनेशन प्रोग्राम को गति देने के साथ भारत और रूस ने विश्वास जताया कि कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्र शीघ्र परस्पर स्वीकार्यता से दोनों देशों के लोगों की आवाजाही में सुविधा होगी। इसके साथ ही दोनों देश इसके लिए तेज गति से औपचारिकताएं पूरी करने पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई शिखर वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों देश, महामारी से पूर्व की क्षमता वाली, सीधी यात्री और मालवाहक उड़ान बहाल करने पर विचार करने के लिए सहमत हुए। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने कोविड-19 महामारी की स्थिति पर विचारों का आदान प्रदान किया और विशेष रूप से 'स्पूतनिक-वी' टीके के संबंध में जारी द्विपक्षीय सहयोग की सराहना की। दोनों नेताओं ने महामारी के दौरान समय पर सहायता करने के लिए एक-दूसरे के देशों का आभार व्यक्त किया।

देश में 24 घंटे में सामने आए कोरोना के 6,822 नए केस

-220 संक्रमितों ने दम तोड़ा

नई दिल्ली ।

देश में कोरोना की घट-बढ़ के बीच बीते 24 घंटो में कोरोना के 6,822 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,46,48,383 हो गई। पिछले 558 दिन में सामने आए ये सबसे कम दैनिक मामले हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 95,014 हो गई है, जो 554 दिन में सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 220 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,73,757 हो गई। देश में लगातार 11 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 10 हजार से कम बने हैं और 163 दिन से 50 हजार से कम दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। इसमें बताया गया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 95,014 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.27 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 3,402 की कमी दर्ज की गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.36 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

487 महिला अधिकारियों को सेना में मिला स्थायी कमीशन, सुप्रीम कोर्ट को केंद्र व सेना ने बताया

नई दिल्ली ।

भारतीय सेना में 487 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन मिला है, यह जानकारी केंद्र सरकार और सेना ने सुप्रीम कोर्ट को दी और कहा कि उसके पिछले साल के फैसले के बाद 615 महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों (डब्लूएसएससीओ) में से 487 को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया है। शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे को हल करने के लिए निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ तरीके से कार्य करने के लिए थल सेना प्रमुख सहित सभी संबंधित अधिकारियों की सराहना की और निर्देश दिया कि कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान सेवा से मुक्त की गईं 12 डब्लूएसएससीओ को सेवा जारी रखने के समतुल्य माना जाएगा और स्थायी कमीशन प्रदान किया जाए। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने आदेश में सराहना की टिप्पणी भी दर्ज की है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ ने सेना के अधिकारियों के उनके ईमानदार प्रयासों और निष्पक्ष तथा उद्देश्यपूर्ण तरीके से कार्य करने के लिए प्रशंसा की और कहा कि सशस्त्र बलों में एक नए युग की शुरुआत हो रही है। पीठ ने कहा, 'सेना के अधिकारी इन कार्यवाही में बहुत ही निष्पक्ष रहे हैं। मानसिकता में पूरा बदलाव आया है। हमने महिला अधिकारियों के बारे में नौसेना प्रमुख के हालिया बयान को देखा है कि उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है और युद्धपोतों पर तैनात किया जा रहा है। सशस्त्र बलों में एक नए युग की शुरुआत हो रही है।' सुनवाई के दौरान केंद्र और सेना के अधिकारियों की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन और वरिष्ठ अधिवक्ता आर बालसुब्रमण्यम ने कहा कि एक गंभीर इच्छा है कि उन डब्लूएसएससीओ से संबंधित पूरे विवाद को अंततः हल किया जा सकता है, जिन्हें स्थायी कमीशन नहीं दिया गया था। जैन ने अदालत को बताया कि 17 फरवरी 2020 के फैसले के बाद स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने के संबंध में विचार करने के लिए 615 डब्लूएसएससीओ पात्र थीं, जिनमें से 86 अधिकारियों ने इसमें आने का विकल्प नहीं चुना। इस तहत 529 के नाम पर विचार किया गया।

उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी से बढ़ी सर्दी, प्रदूषण से दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना मुश्किल

नई दिल्ली ।

देश में एक तरफ जहां पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है, तो दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के चलते लोगों का सांस लेना मुश्किल हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर समेत हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में रोजाना एक्यूआई के स्तर में उतार-चढ़ाव हो रहा है। मंगलवार को भी दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई का स्तर 306 के पार रहा। प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली में रेड लाइफ ऑन गाड़ी ऑफ अभियान का दूसरा चरण चल रहा है, लेकिन प्रदूषण की रफ्तार कम होती नजर नहीं आ रही है। सुप्रीम कोर्ट भी वायु प्रदूषण को लेकर अपना दखल दे चुकी है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में पिछले दिनों हुई हल्की बारिश के बाद ठंड में थोड़ा इजाफा जरूर हुआ है, लेकिन वायु प्रदूषण बरकरार है। आज भी दिल्ली में स्थित आनंद विहार का एक्यूआई 306 दर्ज किया गया है। नोएडा में 317 तो गुरुग्राम में 325 एक्यूआई दर्ज किया गया है। सफर इंडिया ने अपने ताजा आंकड़ों में इसकी जानकारी दी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जारी बर्फबारी की वजह से मौसम में सर्दी का असर बढ़ गया है। बर्फबारी की वजह से पिछले कुछ दिनों में ठप पड़े पर्यटन उद्योग में तेजी ला दी है। उत्तराखंड का केदारनाथ मंदिर बर्फ की मोटी चादर से ढक गया है। वहीं मौसम विभाग ने इस हफ्ते उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी का अनुमान लगाया है।

हिमाचल के मनाली में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है, जिसकी वजह से तापमान में गिरावट आई है। पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी के चलते उत्तर भारत में सर्दी बढ़ने का संकेत मिल रहा है।

आतंकवाद और विघटनकारी ताकतों को रोकने के लिए भारत-बांग्लादेश साझा रूप से प्रतिबद्ध : श्रृंगला

नई दिल्ली । भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने भारत और बांग्लादेश में आतंकवाद और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाली विघटनकारी ताकतों का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत साझा प्रतिबद्धता जताई हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के जरिए गलत सूचना और दुष्प्रचार जैसी चुनौतियों से निपटने में सहयोग को मजबूत करना सबसे महत्वपूर्ण है। भारत-बांग्लादेश राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ 'मैत्री दिवस' के उपलक्ष्य में भारतीय वैश्विक परिषद में एक कार्यक्रम में श्रृंगला ने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रभावी सहयोग सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। श्रृंगला ने कहा कि भारत और बांग्लादेश एक साथ न केवल ढाका और नयी दिल्ली में बल्कि दुनिया भर की 18 राजधानियों में मैत्री दिवस मना रहे हैं। यह न केवल इस बात की पुष्टि करता है कि बंधन मजबूत हैं बल्कि भविष्य के लिए रिश्ते भी मजबूत होने का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाली विघटनकारी ताकतों का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता साझा करते हैं। विदेश सचिव ने कहा कि इंटरनेट के माध्यम से गलत सूचना और दुष्प्रचार जैसी नयी और उभरती चुनौतियों से निपटने में सहयोग को मजबूत करना सबसे महत्वपूर्ण है।

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से कई अहम घोषणाएं कर सकती है योगी सरकार

वाराणसी ।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू होगा। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर योगी सरकार अगले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट लाने के बजाए चार महीने का लेखानुदान इस सत्र में पास कराएगी। साथ ही वर्तमान वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट लाया जा सकता है। खास बात यह है कि मौजूदा 17 वीं विधानसभा का यह संभवतः आखिरी सत्र है। इसमें सरकार कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कर सकती है। अभी सत्र का कार्यक्रम तय होना है। इसी सत्र के बीच योगी सरकार की कैबिनेट बैठक वाराणसी में 16 दिसंबर को प्रस्तावित है। काशी विश्वनाथ मंदिर कारीडोर के लोकार्पण की तैयारियों व अन्य आयोजनों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वहां कई दिन प्रवास करेंगे। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच प्रदेश सरकार ने लेखानुदान तैयार भी कर लिया है। जुलाई तक के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले लेखानुदान का आकार करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। सरकार चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए दूसरा अनुपूरक बजट भी ला सकती है। लेखानुदान के तहत नये वित्तीय वर्ष में जुलाई माह तक के लिए जरूरी खर्चों के लिए बजट का प्रारूप तैयार कर लिया है। बताया जा रहा है कि सरकार लेखानुदान इसी 15 दिसंबर को सदन में प्रस्तुत कर सकती है। अनुपूरक के माध्यम से एक्सप्रेस-वे और जेवर एयरपोर्ट के लिए और धनराशि का आवंटन होगा। मथुरा के पर्यटन व धार्मिक विकास के मद में भी सरकार कोई नई घोषणा कर सकती है। हाल के दिनों में राजनीतिक हल्के में काशी, अयोध्या के बाद मथुरा की चर्चाएं होने से मथुरा के लिए अनुपूरक से कुछ खास देने का इंतजाम करने का अनुमान लगाया जा रहा है।

नई पार्टी बना सकते हैं गुलाम नबीं आजाद, भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की है योजना!

नई दिल्ली ।

दशकों तक संसद में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद इन दिनों गांधी परिवार से अपनी करीबी से ज्यादा आजादख्याली को लेकर चर्चा में हैं। राज्यसभा से विदाई के बाद से ही उनके तेवर कुछ अलग दिखाई दे रहे हैं। उनके बयानों पर गौर करें तो वे भाजपा के निकट जाते दिख रहे हैं। हालांकि, गुलाम नबी आजाद ने अब तक भाजपा के साथ निकटता का कोई संकेत नहीं दिया है, लेकिन उनके बयानों में आए ताजा बदलावों ने कांग्रेस को चिंता में डाल दिया है। गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में रैलियां करने की योजना बनाई है। इसके पहले राउंड की शुरुआत उन्होंने 16 नवंबर को जम्मू के बनिहाल से की थी, जो कश्मीर से सटा हुआ है। इसके अलावा चार दिसंबर को रामबन में हुई रैली के साथ पहला राउंड पूरा हो गया है। डोडा के भद्रवाह के रहने वाले गुलाम नबी आजाद जम्मू कश्मीर के ऐसे पहले मुख्यमंत्री रहे हैं, जिनका ताल्लुक जम्मू क्षेत्र से था। इसके अलावा वह कांग्रेस के सबसे बड़े नेताओं में से एक हैं। इस तरह उनका जनाधार घाटी से लेकर जम्मू तक में है और यदि उनके तेवर बागी होते हैं, तो फिर कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। हाल ही में उनके 20 समर्थक नेताओं ने पार्टी के पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही कांग्रेस की नजर गुलाम नबी आजाद की भावी योजना पर लगी हुई है। बीते कई कार्यक्रमों पर गौर करें तो गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस नेतृत्व पर तो इशारों-इशारों में निशाना साधा है, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर कुछ नहीं कहा। एक दो मौकों पर उन्होंने मनोज सिन्हा को अच्छा प्रशासक बताया है। इसके विपरीत, वह गाहे-बगाहे कांग्रेस नेतृत्व के काम करने की शैली पर सवाल उठाते रहे हैं। रविवार को उन्होंने कहा कि आज का कांग्रेस नेतृत्व ऐसा है, जो किसी तरह इनकार नहीं बर्दाश्त करता, जैसा कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर में हुआ करता था। गुलाम नबी आजाद भले ही खुद को हर इवेंट में पक्का कांग्रेसी बताते नहीं थकते, लेकिन उनके भरोसेमंद लोग भी इस बात से इनकार नहीं करते कि वह नई पार्टी का गठन कर सकते हैं। हाल ही में आजाद के समर्थन में पार्टी के पदों से इस्तीफा देने वाले पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष गुलाम नबी मोंगा ने कहा कि हमें पार्टी की लीडरशिप को लेकर कुछ समस्या है। बीते 4 सालों से हम प्रदेश के मुद्दों को हाईकमान के सामने उठाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उस तरफ से कोई जवाब ही नहीं मिलता। नई पार्टी के सवाल पर उन्होंने कहा आजाद कई बार कह चुके हैं कि राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है।

अब काशी को चुनावी रणनीति का केंद्र बनाने का फैसला

काशी में लगेगा भाजपा के मुख्यमंत्रियों का कुंभ

काशी ।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वी यूपी को मथने में जुटी भाजपा ने अब काशी को चुनावी रणनीति का केंद्र बनाने का फैसला लिया है। यही नहीं भाजपा ने काशी विश्वनाथ की नगरी से देश भर में संदेश देने का फैसला लिया है। यही वजह है कि 13 और 14 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी काशी में रहने वाले हैं और इस दौरान देश भर के भाजपा के सीएम और उपमुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। कहा जा रहा है कि इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी सभी मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों से विकास एवं सुशासन के मुद्दों को लेकर बात करेंगे। 14 दिसंबर को गुड गवर्नेंस के मुद्दे पर एक सेमिनार को भी संबोधित करने वाले हैं। इससे पहले 13 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी काशी विश्वानाथ धाम कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी गंगा आरती में शामिल होंगे और नौका विहार भी करेंगे। इस दौरान भी देश भर के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री एवं अन्य नेता मौजूद रहेंगे। इसके बाद अगले दिन पीएम नरेंद्र मोदी गुड गवर्नेंस पर सेमिनार में शामिल होंगे। इस दौरान वह कोरोना वायरस से निपटने के लिए प्रयासों पर भी बाच करेंगे। इसके अलावा टीकाकरण को बढ़ावा देने को लेकर भी वह बात कर सकते हैं। यही नहीं पीएम नरेंद्र मोदी विहंगम योग केंद्र का भी दौरा कर सकते हैं। इसके बाद 14 दिसंबर की शाम को वह दिल्ली वापस लौट आएंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के बाद मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी गोरखपुर पहुंचे हैं। यहां वह 7000 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से बने खाद कारखाने और एम्स अस्पताल का उद्घाटन करने वाले हैं। यही नहीं मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास भी पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से 18 दिसंबर को किया जा सकता है। इस तरह भाजपा पश्चिम यूपी से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश तक कई प्रोजेक्ट्स के माध्यम से चुनावी समर को साधने की तैयारी में है। यूपी के चुनाव की गंभीरता को इसी बात से समझा जा सकता है कि भाजपा ने पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के अलावा कई दिग्गज मंत्रियों को भी प्रचार में उतारा है।

यूपी में कृषि कानून प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं, सर्वे में सामने आई जानकारी

नई दिल्ली।

कृषि कानून वापस लिए जाने के बावजूद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व अन्य मुद्दों के नाम पर उत्तर प्रदेश और पंजाब की सीमा पर किसानों का आंदोलन जारी है। दिल्ली, पंजाब, लखनऊ और बनारस विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के सर्वे में सामने आया है कि यूपी में कृषि कानून प्रमुख मुद्दा नहीं हैं। यह भाजपा के लिए राहत भरी बात है। सर्वे में सामने आया है कि इस बार उत्तर प्रदेश और पंजाब में कृषि कानून प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं साबित होंगे। सर्वे में मतदाताओं ने कृषि कानूनों पर चल रही रार को बहुत अधिक तव्वजो नहीं दी है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के मद्देनजर विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों ने यह जानने का प्रयास किया कि मतदाता किन मसलों पर मतदान करने वाले हैं। इस दौरान, 400 से अधिक शोधार्थियों ने 11 हजार से अधिक मतदाताओं से बातचीत कर रिपोर्ट तैयार की है। अधिकांश मतदाता महंगाई, रोजगार, महिला सुरक्षा व कानून व्यवस्था को बड़ी समस्या मानते हैं। खास बात यह है कि कृषि कानूनों को लेकर साल भर तक दिल्ली की सीमा पर चले प्रदर्शन का मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। दोनों राज्यों के मतदाताओं में महज 8.2 प्रतिशत ही इसे चुनावी मुद्दा मानते हैं। इसमें यदि उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां सिर्फ 4.3 प्रतिशत मतदाताओं ने इसे प्रमुख मुद्दा बताया, जबकि पंजाब में 14.8 प्रतिशत लोगों ने इसे प्रमुख मुद्दा माना। अध्ययन से यह भी पता चला है कि पंजाब के ग्रामीण इलाकों में कृषि कानून को चुनावी मुद्दा मानने वाले लोग ज्यादा हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के वैश्विक अध्ययन केंद्र ने सर्वे की पहल की। उत्तर प्रदेश के सभी 75 और पंजाब के 22 जिलों में सर्वे किया गया। केंद्र के निदेशक प्रो सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि 14 से 28 नवंबर के बीच किए गए सर्वे में मतदाताओं से कृषि कानून, मंहगाई, कानून व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, ड्रग्स, विकास एवं सुशासन पर सवाल पूछे गए।

हरिशंकर तिवारी के दोनों बेटों को बीएसपी ने पार्टी से निकाला

गोरखपुर।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित चिल्लूपार विधानसभा सीट से बीएसपी विधायक विनय शंकर तिवारी उनके बड़े भाई व पूर्व सासंद कुशल तिवारी और विधानपरिषद के सभापति गणेश शंकर पांडेय को बीएसपी ने पार्टी से निकाल दिया है। इन तीनों को अनुशासनहीनता के चलते पार्टी से निकाला गया है। विनय शंकर तिवारी के सपा में जाने की अटकलों के बीच यह कार्रवाई की गई है।बीएसपी के मुख्य सेक्टर प्रभारी गोरखपुर मंडल सुधीर कुमारी भारती की तरफ से जारी निष्कासन पत्र में तीनों भाइयों पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है। सुधीर भारती ने बताया कि विगत कुछ दिनों से यह लोग पार्टी के किसी कार्यक्रम में न तो रुचि ले रहे थे न ही सम्मिलित हुए। ज्ञात हो कि तिवारी परिवार का नया सियासी दांव क्या होगा, इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है। यह परिवार तकरीबन डेढ़ दशक से पूर्वांचल में बीएसपी का झंडा थाम कर ब्राह्मण-दलित गठजोड़ को मजबूत कर रहा था। पूर्व कैबिनेट मंत्री हरिशंकर तिवारी के छोटे बेटे विनय शंकर तिवारी ने 2017 के विधानसभा चुनाव में मोदी-योगी की प्रचंड लहर के बावजूद गोरखपुर की चिल्लूपार सीट पर भाजपा प्रत्याशी राजेश त्रिपाठी को हराकर बीएसपी को जीत दिलाई थी।

देवरिया टाउन हाल मे भारी संख्या मे बसपा पाटी द्वारा भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण मनाया गया

देवरिया

सोमवार को जिले के टाउन हॉल में बहुजन समाज पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओ ने डॉ भीम राव अम्बेडकर का 66वा महापरिनिर्वाण दिवस को धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ मदन लाल ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर दिप प्रज्वलित की ।ततपश्चात बसपा के श्रीप्रकाश पाल, विनय तिवारी,राजेश मिश्रा, श्याम जायसवाल, आदि नेताओ ने फूल माला चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किये ।तथा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बसपा के सभी वरिष्ठ व सम्मानित नेताओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर के द्वारा रचित भारत के संविधान की सार्थकता, व उनके समाज के प्रति सिद्धान्तों, तथा उनके विचारों पर अपनी अपनी सोच को प्रसारित किया वही श्रीप्रकाश पाल ने बरहज अपने आवास पर मीडिया से वार्ता देवरिया में आयोजित महापरिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम पर प्रकाश डाला।

अखिलेश यादव को बताया ज्योतिषी घोषणा पत्र को लेकर दी ये जानकारी : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यूपी चुनाव को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ 2 बैठकें हुईं। अखिलेश यादव ज्योतिषी हो सकते हैं कि उन्हें लगता है कि कांग्रेस को 0 सीटें मिलेंगी, हम देखेंगे कि क्या होता है। राज्य में महिला कल्याण पर एक अलग सार्वजनिक घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनावों में जनता कांग्रेस को नकार देगी और उसे जीरो सीट मिलेगी। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए अलग से एक घोषणा पत्र बनाया है,हम महिलाओं के लिए जो करना चाहते हैं वो उस घोषणा पत्र में होगा। हम कल इस घोषणा पत्र को जारी करेंगे। इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने घोषणा पत्र कमेटी और कैंपेन कमेटी के साथ लखनऊ में बैठक कर में विधानसभा चुनावों की तैयारी की चर्चा की थी। इस दौरान जनता की राय से तैयार किए घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। प्रियंका गांधी ने कहा कि यूपी कांग्रेस के घोषणा पत्र में युवाओं, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों, वंचित वर्गों समेत सभी तबकों की आवाज को जगह दी गई है। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस का घोषणा पत्र उत्तर प्रदेश की प्रगति का रास्ता तैयार करने वाला दस्तावेज होगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में माघ मेला-2022 की तैयारियों के प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज ।

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में माघ मेला-2022 की तैयारियों की प्रगति के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, मेला प्राधिकरण, गंगा प्रदूषण सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को अपने विभाग से सम्बंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरतने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने भूमि समतलीकरण के कार्य के बारे में जानकारी ली, इस सम्बंध में सम्बंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि भूमि समतलीकरण के कार्य में 30 ट्रैक्टर, 07 जेसीबी व 107 मजदूर इस कार्य के लिए लगाये गये है, जिसपर जिलाधिकारी ने भूमि समतलीकरण के कार्य को ट्रैक्टर और मैनपॉवर की संख्या को बढ़ाकर तेजी के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मेला क्षेत्र में सभी जगहों पर लगने वाले विद्युत कनेक्शन के साथ ही एमसीबी लगाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने पार्किंग, ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में भी व्यवस्थित कार्य योजना के अनुसार कार्य कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने पीडब्लूडी को मैन पॉवर बढ़ाकर पाण्टुन पुलों के निर्माण कार्यों को और तेजी के साथ निर्धारित समय में पूरा कराये जाने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र में सही स्थानों पर साइनेजेज को स्थापित कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने स्नान घाटों पर कटान की समस्या से निपटने के लिए पहले से ही तैयारियां रखने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक माघ मेला सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थत रहें।

चरणजीत चन्नी और नवजोत सिद्धू को कांग्रेस हाईकमान ने दिया झटका

नई दिल्ली ।

पंजाब विधानसभा के मद्देनज़र कांग्रेस पार्टी की ओर से अहम कमेटियों का एलान किया गया है। कांग्रेस हाईकमान ने चुनाव से जुड़ी कमेटियों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी को जगह नहीं दी है। कांग्रेस पार्टी ने हालांकि इन कमेटियों में सुनील जाखड़ अंबिका सोनी और प्रकाश बाजवा जैसे दिग्गज नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां दी हैं। चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू को सिर्फ स्क्रीनिंग कमेटी में ही जगह दी गई है। स्क्रीनिंग कमेटी को हालांकि हेड पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के नेता अजय माकन करेंगे। सामने आई जानकारी के मुताबिक चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू को आपसी कलह की वजह से हाईकमान ने अहम कमेटियों से दूर रखा है। कांग्रेस पार्टी की ओर बयान जारी कर बताया गया कि सुनील जाखड़ चुनाव प्रचार समिति की कमान संभालेंगे। अंबिका सोनी को कॉर्डिनेशन कमेटी का हेड बनाया गया है, जबकि प्रताप सिंह बाजवा घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष चुने गए हैं। हालांकि इन कमेटियों के एलान के बाद से सुनील जाखड़ एक बार फिर से पंजाब कांग्रेस में मजबूत तरीके से वापसी करते हुए नज़र आए हैं। सुनील जाखड़ को नवजोत सिंह सिद्धू के विरोध की वजह से पंजाब के सीएम की कुर्सी नहीं मिली थी। इतना ही नहीं नवजोत सिंह सिद्धू पिछले कुछ दिनों में सुनील जाखड़ पर हमले बोलते रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी टिकट बंटवारें में ज्यादा दखलअंदाजी नहीं कर पाएंगे। कांग्रेस पार्टी अपने मौजूदा विधायकों में से कम से कम 20 विधायकों के टिकट काटने पर विचार कर रही है।

-कोरोना की तीसरी लहर की आशंका हुई बलवती

ओमिक्रॉन के खौफ के बीच विदेश से मुंबई लौटे 100 यात्री लापता

नई दिल्ली ।

महामारी कोरोना की दूसरी लहर का दंश झेल चुके लोगों में नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की दहशत बरकरार है और अब आशंका मंडराने लगी है कि क्या अब कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। इस बीच एक बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों के दौरान विदेश से महाराष्ट्र पहुंचे करीब 100 यात्री गायब हो गए हैं। इन यात्रियों के बारे में कुछ भी पता नहीं चल पा रहा है। कल्याण डोम्बिवली म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के प्रमुख विजय सूर्यवंशी ने कहा कि विदेश से ठाणे जिले में आए 295 विदेशी यात्रियों में से 109 यात्रियों का कुछ भी पता नहीं चल पा रहा है। उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ यात्रियों का मोबाइल फोन स्विच ऑफ है। इसके अलावा कई यात्रियों ने जो पता दिया था उसे पते पर ताला लटका हुआ है।

विजय सूर्यवंशी ने बताया कि खतरे वाले देशों से यात्रा कर आने वाले लोगों को 7 दिन के होम क्वारन्टीन में रहना जरुरी है। 8वें दिन उनका कोविड-19 टेस्ट किया जाता है। अगर यह रिपोर्ट निगेटिव आता है तो भी इन्हें 7 दिनों के होम क्वारन्टाइन में रहना होता है। हाउसिंह सोसायटी सदस्यों की जिम्मेदारी है कि कोरोना से जुड़े इन नियमों का उल्लंघन ना हो इसके लिए वो तत्पर रहें। देश में ओमिक्रॉन वैरिएंट के पांव पसारने से खतरा और बढ़ गया है। सोमवार को भारत में ओमिक्रॉन संक्रमित लोगों की संख्या 23 हो गई। महाराष्ट्र के मुंबई में 2 लोगों के संक्रमित मिलने के बाद यह आंकड़ा एक दर्जन के समीप पहुंच चुका है। बीएमसी की तरफ से जानकारी दी गई है कि 1 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का कोविड-19 टेस्ट किया जा रहा है। इनमें से 16 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से 12 पुरुष और अन्य 4 महिलाएं हैं। यह भी जानकारी दी गई है कि 5 दिसंबर तक 4,480 यात्री खतरे वाले देशों से यात्रा कर मुंबई लौटे हैं। मुंबई से पहले पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड में छह लोग ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित मिले। इनमें से तीन नाइजीरियाई नागरिक हैं। महाराष्ट्र के अलावा तीन और राज्य भी हैं जहां ओमिक्रॉन के केस मिले हैं। इनमें राजस्थान में 9, कर्नाटक में 2 और गुजरात में 2 संक्रमित की पहचान हुई है। इसके अलावा दिल्ली में भी एक संक्रमित की पहचान की गई है। बता दें कि ओमिक्रॉन वैरिएंट की सबसे पहले पहचान साउथ अफ्रीका में की गई थी। वैज्ञानिकों ने माना है कि यह वैरिएंट अब तक मिले सभी वैरिएंट से ज्यादा तेजी से फैलने में सक्षम है। सार्स-कोवी-2 के नये स्वरूप ओमीक्रोन से कोरोना वायरस महामारी की तीसरी लहर फरवरी में चरम पर पहुंच सकती है, जब देश में प्रतिदिन एक लाख से डेढ़ लाख तक मामले सामने आने की संभावना है। कोविड-19 के गणितीय अनुमान में शामिल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिक मनिंद्र अग्रवाल ने यह कहा है।

उन्होंने कहा कि नये अनुमान में, ओमीक्रोन स्वरूप को एक कारक के तौर पर शामिल किया गया है। अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''नये स्वरूप के साथ, हमारा मौजूदा अनुमान यह है कि देश में फरवरी तक तीसरी लहर आ सकती है लेकिन यह दूसरी लहर से हल्की होगी।

संक्षिप्त समाचार

रेत माफिया को संरक्षण दे रहे सीएम चन्नी, उनके इलाके में हो रही अवैध माइनिंग : केजरीवाल

अमृतसर।

अमृतसर में आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी रेत माफिया को सरंक्षण देते हैं। उनके इलाके में ही अवैध माइनिंग हो रही है। पंजाब की जनता जानना चाहती है कि इन लोगों को पंजाब के मुख्यमंत्री संरक्षण दे रहे हैं या उनके साथ उनकी पार्टनरशिप है। उन्होंने कहा कुछ दिन पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि पंजाब के कई विधायकों और मंत्रियों की अवैध माइनिंग चल रही है। ऐसे में अगर यही लोग ऐसा करेंगे, तो पंजाब का विकास कैसे होगा। उन्होंने कहा पंजाब में 20,000 करोड़ रुपए का रेत खनन चल रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने पर अवैध रेत खनन का काम बंद करवाया जाएगा और जो लोग अवैध रेत खनन कर रहे हैं, उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की जाएगी। इसके अलावा अवैध खनन से जो पैसा नेताओं की जेब में जा रहा है, वह महिलाओं की जेब में जाएगा। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा उन पर की गई बयानबाजी के संबंध में किए गए सवालों को अरविंद केजरीवाल ने टाल दिया।

गोवा में कांग्रेस को बड़ा झटका विधायक रवि नाइक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । गोवा में कांग्रेस पार्टी को फिर बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता रवि नाइक ने मंगलवार को राज्य विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वह पोंडा सीट से विधायक बने थे। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष राजेश पाटनेकर को त्यागपत्र सौंपा। नाइक के त्यागपत्र देने के बाद 40 सदस्यीय विधानसभा में अब कुल 37 विधायक ही बचे हैं। इनमें कांग्रेस के सिर्फ तीन शेष रह गए हैं। आपको बता दें कि इससे पहले दो विधायकों हाल ही में त्यागपत्र दे दिया है। नाइक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की संभावना है। गौरतलब है कि राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लुइज़िन्हो फलेरियो ने इस साल सितंबर में कांग्रेस विधायक के रूप में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने बाद में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस का दामन थामा। उन्होंने अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। नाइक के इस्तीफे के साथ, 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में कांग्रेस की ताकत घटकर तीन हो गई है। नाइक के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य कांग्रेस प्रमुख गिरीश चोडनकर ने कहा कि पार्टी ने उन्हें बहुत पहले ÷अस्वीकार÷ कर दिया था और उन्हें आगामी राज्य चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में भी नहीं माना जा रहा था। गोवा में पोंडा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नाइक ने विधानसभा अध्यक्ष राजेश पाटनेकर को अपना इस्तीफा सौंपा। उनके साथ उनके दो बेटे भी थे, जो पिछले साल सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। नाइक ने अपना इस्तीफा सौंपने के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, ÷मैंने इस्तीफा दे दिया है। अपने अगले कदम के बारे में मैं आपको बताऊंगा। सूत्रों के मुताबिक, नाइक के पार्टी के गोवा चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में दिन में बाद में भाजपा में शामिल होने की उम्मीद है। रवि नाइक के छोटे बेटे रॉय नाइक ने कहा कि उन्होंने अपने पिता से भाजपा में शामिल होने का अनुरोध किया है। आपको बता दें कि 2017 के राज्य विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस 17 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। हालांकि, 13 सीटें जीतने वाली भाजपा ने तटीय राज्य में सरकार बनाने के लिए कुछ क्षेत्रीय संगठनों और निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ गठबंधन किया। इस बीच, चोडनकर ने दावा किया कि नाइक के जाने से कांग्रेस को कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि नाइक ÷केवल तकनीकी रूप से पार्टी में मौजूद थे÷। कांग्रेस नेता ने संवाददाताओं से कहा, ÷उनका एक पैर पहले से ही भाजपा में था। उन्होंने अपने बेटों को पहले भाजपा में भेजा था।÷ चोडनकर ने कहा कि कांग्रेस ने पोंडा विधानसभा क्षेत्र में नया नेतृत्व बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ÷हमने नाइक को पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं किया था। हमने बहुत पहले नाइक को खारिज कर दिया था। 2017 के राज्य विधानसभा चुनावों के बाद से, कई कांग्रेस विधायकों ने पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए।

बाबा राघव दास भगवान दास महाबिधालय आश्रम मे वाद -विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुआ

बरहज/ देवरिया -

परमहंस बाबा राघव दास की 125 वीं जयंती समारोह के क्रम में मंगलवार को बाबा राघवदास भगवानदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आश्रम बरहज में वाद - विवाद तथा निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसका विषय "कृषि कानून 2020: किसानों के हित में है।" के पक्ष-विपक्ष पर प्रतिभागियों ने अपना विचार रखा। प्रतियोगिता का संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ दर्शना श्रीवास्तव ने किया जबकि निर्णायक मंडल में डॉ.अरविंद पाण्डेय (राज.वि.), डॉ आभा मिश्र एवं डॉ अनुज श्रीवास्तव शामिल रहे। प्रतियोगिता में पक्ष से प्रथम स्थान बीकाम द्वितीय वर्ष के छात्र गणेश कुमार पाण्डेय, द्वितीय स्थान बीए तृतीय वर्ष के अनूप कुमार गुप्ता जबकि तृतीय स्थान एमए अंतिम वर्ष राजनीति विज्ञान विषय के छात्र आशुतोष गुप्ता ने प्राप्त किया। विषय के विपक्ष में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों में प्रथम स्थान बीए प्रथम वर्ष की रोमी वर्मा, द्वितीय स्थान बीकाम द्वितीय वर्ष की विदिशा सिंह तथा तृतीय स्थान बीए प्रथम वर्ष के छात्र अंकित पाठक को मिला। इसी क्रम में आज "ऑनलाइन शिक्षा: एक अभिनव प्रयोग" विषय पर निबंध प्रतियोगिता भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक डॉ विजय प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि 53 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राचार्य प्रोफेसर शंभू नाथ तिवारी, डॉ अजय मिश्र, डॉ अरविन्द पाण्डेय, डॉ विनय तिवारी, डॉ अब्दुल हसीब, डॉ विनीत पाण्डेय, डॉ मंजू यादव, डॉ अविकल शर्मा, प्रदीप शुक्ला, मनीष श्रीवास्तव, रविंद्र मिश्र मौजूद रहे।

टिकाऊ खेती में
खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है।

आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते है तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी-मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

सुविचार बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

संपादकीय

संवेदना से समाधान

नगालैंड की घटना दुखद और शर्मनाक है। महज शक के आधार पर हमला करके किसी को मार गिराना सीधे-सीधे मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं, तो और क्या है? राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी एहसास है कि गलती हुई है, तभी तो नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सोमवार को मोन जिले में सुरक्षा बलों की फायरिंग में मरने वाले नागरिकों को अंतिम विदाई देने गए थे। इस दौरान अगर मुख्यमंत्री ने राज्य में आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर ऐक्ट यानी एफएसपीए को हटाने की मांग की है, तो उनकी मांग को सहजता से खारिज नहीं किया जा सकता। इस कानून के खिलाफ मणिपुर, नगालैंड और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य इलाकों में समय-समय पर आवाजें उठती रही हैं। वहां लोगों को लगता है कि इस कानून की वजह से ही सुरक्षा बलों का दुस्साहस बढ़ता है और उनसे अक्सर गलती हो जाती है। नगालैंड में अभी अगर गलती हुई है, उसे तत्काल सुधारने की जरूरत है। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। उग्रवाद के खिलाफ कड़ाई जरूरी है, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा से समझौता कतई नहीं किया जा सकता। 14 नागरिकों की मौत के बाद नगालैंड में शांति बनाए रखना सुरक्षा बलों के लिए भी प्राथमिकता होनी चाहिए। आम लोगों की नाराजगी शांत करने के लिए हर संभव कदम उठाने चाहिए। संवेदना और संयम की जरूरत बढ़ गई है। यह ऐसा समय है, जब सरकार लगातार नगा विद्रोही गुटों के साथ बातचीत कर रही है। कोई शक नहीं कि नागरिकों की मौत और गुस्से से उग्रपंथियों का दुस्साहस बढ़ेगा। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार यदि अपने स्तर पर सक्रिय हो गए हैं, तो जमीन पर जल्दी से जल्दी अमन-चैन बहाल होते दिखना चाहिए। दशकों से लागू अफस्पा के बारे में सरकार को सोचना चाहिए। आम लोगों की इच्छा का आदर जरूरी है। नगालैंड सरकार की तारीफ होनी चाहिए कि वह तत्काल गुस्साए लोगों के साथ खड़ी हो गई। उसने मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये देने की कार्रवाई को तत्काल अंजाम दिया। केंद्र को भी ठोस पहल के साथ आगे आना चाहिए। भविष्य में किसी भी प्रकार की गफलत की गुंजाइश का खात्मा हो और खुफिया तंत्र को ज्यादा विश्वसनीय बनाया जाए। सेना को अपने स्तर पर जांच करनी चाहिए। अगर गलती हुई है, तो दोषियों के खिलाफ अपने स्तर पर तत्काल कदम उठाने चाहिए। इस मामले में पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज कर ली है, मतलब सरकार और सेना के बीच आने वाले दिनों में तनाव बढ़ सकता है। ऐसे तनाव का उपचार संविधान व मानवता की रोशनी में करना होगा। हमारे कानून के बारे में अक्सर कहा जाता है कि कोई दोषी साक्ष्य के अभाव में भले छूट जाए, पर किसी निर्दोष को सजा नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र में लोक-कल्याणकारी सरकार का यही सही रूप है। नागरिकों की सेवा के लिए ही सरकारें चुनी जाती हैं और सुरक्षा बलों को विशेषाधिकार देकर संरक्षित किया जाता है। आज समय बदल गया है, जिसके पास भी कोई विशेषाधिकार है, उसे पूरी संवेदना व सजगता के साथ अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। जो विशेषाधिकार जुल्म में सहारा बनेंगे, वे ज्यादा चल नहीं सकते। प्रशासन का सामंती ढर्रा खत्म होना ही चाहिए, ताकि आम लोग पूरी तरह से सरकार व सेना के साथ खड़े हो जाएं।

मोदी पूर्वांचल को समर्पित करेंगे चिकित्सा का सबसे बड़ा मंदिर

- डॉ. महेंद्र कुमार सिंह

पूर्वांचल के लोगों की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सबसे बड़ी उम्मीद को पूरा करने वाला मंदिर बन कर तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 07 दिसम्बर को गोरखपुर एम्स, नागरिकों को समर्पित करने वाले हैं। पूर्वांचल ही नहीं, बिहार एवं पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए भी यह चिकित्सा संस्थान वरदान सिद्ध होने वाला है, जिन्हें दिल्ली एम्स के फुटपाथों पर सर्द रातों, तपती गर्मी और तूफानी बारिश में भीग कर अपने नंबर का इंतजार करने को मजबूर होना पड़ता रहा है। दशकों के राजनीतिक परिदृश्य को अगर देखें तो सिर्फ दो राजनेता ने उत्तर प्रदेश के पूर्व में स्थित इस पिछड़े क्षेत्र के लोगों की कराह सुनी और समझी है। 1998 से लगातार गोरखपुर से सांसद रहे गोरखपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एम्स स्थापित करने की मांग अनेक बार संसद में उठाई मगर उनकी आवाज 2014 में सुनी गई, जब देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभाली। गोरखपुर में एम्स मुख्यमंत्री योगी की वर्षों की तपस्या का प्रतिफल है। प्रधानमंत्री मोदी गोरखपुर तथा आसपास के लोगों, खासकर किसानों को एक और सौगात देंगे। मोदी करीब 8603 करोड़ की लागत से 600 एकड़ भूमि में स्थापित नई फर्टिलाइजर फैक्टरी का भी शुभारंभ करेंगे। गोरखपुर एम्स शुरू होने से उच्च चिकित्सा सेवाओं के लिए पूरे क्षेत्र के लोगों को दिल्ली, मुम्बई में भटकना नहीं पड़ेगा और न ही महंगे निजी कॉरपोरेट हॉस्पिटल में जाने को मजबूर होना पड़ेगा। कई सर्वे और स्टडीज साबित करती हैं कि स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चों की वजह से एक बहुत बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे चली जाती है। पिछड़ा पूर्वांचल क्षेत्र भी इसी चक्रव्यूह में फंसा हुआ था। अब एक नई उम्मीदों का आकाश पूर्वांचल वासियों के सामने है। चिकित्सा और शिक्षा को नई ऊंचाई प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदी ने 22 जुलाई 2016 को गोरखपुर एम्स का शिलान्यास किया था। करीब 1012 करोड़ की लागत वाले तथा 112 एकड़ में विस्तृत इस चिकित्सा संस्थान में ओपीडी का उद्घाटन फरवरी 2019 को किया गया और इस समय 16 सुपर स्पेशलिटी विभागों की ओपीडी शुरू हो चुकी है। उद्घाटन के बाद 300 बेड का अस्पताल पूरी तरह से कार्य करना शुरू कर देगा। इसे 750 बेड तक विस्तारित करने की योजना है। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तरसता पूर्वांचल दशकों से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा। करीब चार दशकों तक जापानी इंसेफ्लाइटिस यहां के हजारों बच्चों को हर वर्ष निगलता रहा। सरकारें बदलती रहीं मगर किसी ने सुध तक नहीं ली। नवजात शिशुओं को खोने की अपार पीड़ा की लड़ाई योगी ने सांसद के रूप में संसद से लेकर सड़क तक लड़ी पर तत्कालीन नीति निर्माताओं के कानों तक आवाज नहीं पहुँची। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते ही परिदृश्य बदलने लगा। उन्होंने इंसेफ्लाइटिस के खिलाफ न सिर्फ जंग छेड़ी, बल्कि समन्वित प्रयासों से इस महामारी पर नियंत्रण कर लिया गया। यह पूर्वांचल के लोगों के लिए बड़ा सुअवसर है कि प्रधानमंत्री मोदी सात दिसम्बर को गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज में स्थापित रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर की नौ लैब्स को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये लैब्स जापानी इंसेफ्लाइटिस के कारगर परीक्षण और शोध पर कार्य करेंगी। यह राज्य स्तरीय वायरस प्रशिक्षण लैब कोविड-19 की जांच और शोध के साथ अन्य विषाणु जनित बीमारियों पर शोध कार्य करेगा। अब प्रदेश में दो एम्स संचालित हैं। एक गोरखपुर और दूसरा रायबरेली में। वर्ष 2007 में रायबरेली एम्स की स्वीकृति मिली लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव इसके संचालन में देरी हुई। मोदी-योगी की जोड़ी बनते ही प्रदेश में स्थापित दोनों एम्स विश्वस्तरीय मानक से सुसज्जित हुए और प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा के नए युग की शुरुआत हुई। इस जोड़ी को ही एम्स के संचालन का श्रेय जाता है। वहीं, जिस बीमारी की आहट मात्र से ही पूरा परिवार हिल जाता हो, उस कैंसर के इलाज के लिए वाराणसी में देश का दूसरा बड़ा कैंसर हॉस्पिटल 'महामना कैंसर संस्थान' भी मरीजों के इलाज के लिए खोल दिया गया है। 2017 में प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद से स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान दिया गया। योगी सरकार आज 'एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश के 59 जनपदों में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज क्रियाशील है। 16 जनपदों में **PPP** मॉडल पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रदेश में पहले आयुष विश्वविद्यालय महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का गोरखपुर में शिलान्यास किया गया और इसका निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। लोगों को चिकित्सा पर होने वाले खर्चों से राहत देने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) में 6 करोड़ 47 लाख लोगों को बीमा कवर दिया गया है। इसके साथ ही 42.19 लाख लोगों का मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में बीमा कवर सुनिश्चित किया गया है। चिकित्सा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए स्वास्थ्य शिक्षा पर भी योगी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश में एमबीबीएस की 938 सीटें बढ़ाई गईं हैं तथा केंद्र सरकार से 900 सीटें बढ़ाए जाने की अनुमति शीघ्र मिलने की संभावना है। एमडी एवं एमएस में 127 सीटों की वृद्धि की गई है। चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई है। इसके साथ ही 1104 भारतीय जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योगी सरकार के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि आज नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की इंडिया रैंकिंग में एसजीपीजाई 5वें, बीएचयू 7वें, केजीएमयू, लखनऊ 9वें तथा एएमयू 15वें स्थान पर है।योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कोरोना महामारी का बेहतर प्रबंधन किया, टीकाकरण में भी अग्रणी भूमिका में है। 16 करोड़ लोगों को वैक्सीन की एक डोज तथा 5 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड टीके की दोनों डोज का सुरक्षा कवच प्रदान करने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी के लोक कल्याण की प्रतिज्ञा का ही सुफल है कि आज उत्तर प्रदेश अपने लोगों को उनके नजदीक ही उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में सफलता हासिल कर रहा है। राजनीति, गोरखपीठ के संतों के लिए सिद्धि नहीं, बल्कि लोक-साधना का माध्यम है। उन्होंने राजनीति को लोक सेवा व कल्याण का माध्यम बनाया है। उत्तर प्रदेश के 24 करोड़ लोग इसे पूरी शिद्दत से महसूस भी कर रहे हैं।

(लेखक डीडीयू गोरखपुर विवि में सहायक प्राध्यापक हैं।)

रोजगार व संप्रभुता हेतु संरक्षणवाद जरूरी

भरत झुनझुनवाला

बीते वर्ष में अपने निर्यातों में 10 अरब डालर की वृद्धि हुई है तो आयातों में 21 अरब डालर की। सच यह है कि निर्यात बढ़ाने के प्रयास में हमारे आयात बढ़ रहे हैं और हम दबते जा रहे हैं। सरकार ने पिछले वर्ष इस समस्या का संज्ञान लेते हुए चीन के की एप जैसे जूम और कैम स्कैनर पर और रक्षा से सम्बन्धित लगभग 100 वस्तुओं पर प्रतिबन्ध लगाया था। कोट, पैंट, ज्यूलरी, प्लास्टिक, केमिकल, चमड़ा इत्यादि पर आयात कर बढ़ाए थे। लेकिन ये कदम पर्याप्त सिद्ध नहीं हुए हैं। हमारे आयात दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। कारण यह है कि हमने खुले व्यापार को अपना रखा है। अर्थव्यवस्था को चलाने के दो माडल हैं। एक यह कि हम खुले व्यापार को अपनाएं और अपने माल का निर्यात करने का प्रयास करें। विदेशी माल आयात करने की छूट दें ताकि हमारे निर्यात क्षेत्र में रोजगार उत्पन्न हो सके और हमारे उपभोक्ता को सस्ता विदेशी माल उपलब्ध हो। इस माडल की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम कितना निर्यात कर पाते हैं। सस्ते आयातों का पेमेंट करने के लिए निर्यात से डॉलर अर्जित करना जरूरी होता है। पिछले वर्ष का अनुभव प्रमाणित करता है कि खुले व्यापार के माडल से हमें सफलता नहीं मिल रही है। निर्यातों में वृद्धि कम और आयातों में वृद्धि अधिक हो रही है। इसलिए हमें दूसरे संरक्षणवाद के माडल को अपनाना चाहिए। इस माडल में हम केवल अति जरूरी माल के आयात को छूट देते हैं। शेष माल पर भारी आयात कर लगा देते हैं, जिससे कि अधिकाधिक माल का उत्पादन अपने देश में हो। संरक्षणवाद का लाभ यह है कि हम अधिकतर माल में आत्मनिर्भर हो जाते हैं। हमारी आर्थिक संप्रभुता की रक्षा होती है। नुकसान यह है कि हमें विदेशों में बना सस्ता माल नहीं मिलता। दूसरा नुकसान है कि हमारे उद्यमी अकुशल उत्पादन में लिप्त हो जाते हैं। विदेशी माल पर आयात कर अधिक होने से आयातित माल महंगा पड़ता है और हमारे उद्यमी मुनाफाखोरी करते हैं या अकुशल उत्पादन करते हैं क्योंकि उन्हें सस्ते विदेशी माल से प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत नहीं रह जाती। इस तथ्य के बावजूद हमें संरक्षणवाद को अपनाना चाहिए। मान लें कि संरक्षणवाद को अपनाने से अपने देश में अकुशल उत्पादन होता है तो भी इस अकुशल उत्पादन में हमारे श्रमिकों को रोजगार मिलता ही है। उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होती है। अतः प्रश्न यह है कि हम अपने श्रमिकों को रोजगार के साथ महंगा घरेलू माल परोसेंगे या बेरोजगारी के साथ सस्ता विदेशी माल? यदि हम खुले व्यापार को अपनाते हैं और सस्ता विदेशी माल अपने देश में आता है तो हमारे उद्योग बंद हो जाते हैं। हमारे श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं। विदेश का बना सस्ता माल हमारी दुकानों में उपलब्ध तो होता है लेकिन श्रमिक की जेब में नकद नहीं होता कि वह उस माल को खरीद सके। सस्ता माल उपलब्ध कराकर उन्हें बेरोजगारी के साथ भुखमरी की कगार पर लाने की तुलना में रोजगार के साथ महंगा माल उपलब्ध कराना उत्तम है। तब माल कम भी मिलेगा तो भी वे कुछ खपत तो कर ही सकेंगे। भूखे नहीं मरेंगे। खुले व्यापार का सिद्धांत है कि हर देश उस माल का उत्पादन करेगा, जिसे वह कुशलतापूर्वक बना सकता है। जैसे भारत गलीचे का कुशल उत्पादन करे और चीन बिजली के बल्ब का कुशल उत्पादन करे। भारत सस्ते गलीचों का निर्यात करे और चीन सस्ते बल्ब का निर्यात करे। तब भारत में गलीचे के उत्पादन में रोजगार बनेंगे और उस आय से भारतीय नागरिक चीन के सस्ते बल्ब को खरीद सकेंगे। इसी प्रकार चीन के नागरिक को बल्ब के उत्पादन में रोजगार मिलेंगे और उस आय से वे भारत में बने सस्ते गलीचे को खरीद सकेंगे। यह सिद्धांत सही है लेकिन यह गैर आवश्यक माल मात्र पर लागू होता है। जैसे मान लीजिये हम स्टील का आयात चीन से करने लगें तब हम अपने देश में बंदूक, पनडुब्बियां, हवाई जहाज इत्यादि का उत्पादन भी नहीं कर सकेंगे क्योंकि इनके उत्पादन के लिए हमें स्टील चाहिए, जिसे प्राप्त करने के लिए हम चीन पर आश्रित हो जायेंगे। इसलिए अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी है कि हम आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन अपने देश में ही करें, यह चाहे महंगा ही क्यों न पड़े। जैसे यदि देश में उत्पादित स्टील का दाम 50 रुपये प्रति किलो है और विदेश में उत्पादित स्टील का दाम 40 रुपये प्रति किलो है तो हम विदेशी स्टील पर 10 रुपये का संप्रभुता अधिभार लगा सकते हैं। चूंकि हमारे लिए अपने ही देश में स्टील का उत्पादन करना आवश्यक है। तब अपने देश में बने स्टील और आयातित स्टील दोनों का दाम 50 रुपये प्रति किलो हो जाएगा और अपने देश में स्टील का उत्पादन हो सकेगा। फिर हम चीन पर आश्रित नहीं होंगे। संरक्षणवाद के विरोध में तर्क 1950 से 1990 की हमारी दुर्गति का दिया जाता है। यह सही है कि उस समय हमने संरक्षणवाद को अपनाया और और अपना देश वांछित प्रगति नहीं कर सका लेकिन इसका कारण केवल संरक्षणवाद को ही नहीं ठहराया जा सकता है। सही बात यह है कि यदि हम संरक्षणवाद के साथ अपने घरेलू उद्यमियों के बीच प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन दें तो आपसी प्रतिस्पर्धा में ये स्वयं कुशल उत्पादन करने लगेंगे। फिर उद्यमी कुशल भी हो जायेंगे और हम निर्यातों का सामना भी कर सकेंगे। आश्चर्य की बात है कि इस तथ्य को हमारे सरकारी अधिकारी क्यों नहीं समझते? अधिकांश अधिकारियों और नेताओं के संतानें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में कार्य करती हैं। सेवानिवृत्ति के बाद ये स्वयं विश्व बैंक की सलाहकारी करने को उत्सुक रहते हैं। इसलिए इनकी मानसिकता ही बन जाती है कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के हितों को साधें और वे अनजाने में ही देश हित की ऐसी गलत परिभाषा कर बैठते हैं जिसके अंतर्गत हम आयातों पर निर्भर होते जा रहे हैं और हमारे नागरिक बेरोजगार होते जा रहे हैं।

आज के कार्टून

एकता-समता

श्रीराम शर्मा आचार्य

राष्ट्रीय एकता का वास्तविक तात्पर्य है-मानवीय एकता। मनुष्य की एक जाति है। उसे किन्हीं कारणों से विखिण्डत नहीं होना चाहिए। भाषा, क्षेत्र, संप्रदाय, जाति, लिंग, धन, पद आदि के कारण किसी को विशिष्ट एवं किसी को निकृष्ट नहीं माना जाना चाहिए। सभी को समाज में उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए। उपरोक्त कारणों में से किसी को भी यह अधिकार नहीं मिलना चाहिए कि अपने को बड़प्पन के अहंकार से भरे और दूसरे को हेय समझे। कई प्रान्तों में संप्रदाय विशेष के सदस्य होने के कारण अथवा पृथक भाषा-भाषी होने के कारण अपने वर्ग-वर्ण को पृथक मानने और राष्ट्रीय धारा से कटकर अपनी विशेष पहचान बनाने की प्रवृत्ति चल पड़ी है। इसे शांत करने के लिए वैसे ही प्रयत्न किए जाने चाहिए, जैसे अग्निकाण्ड आरम्भ होने पर उसके फैलने से पूर्व ही किए जाते हैं। समता और एकता के उद्यान उजाड़ डालने की छूट किसी को भी नहीं मिलनी चाहिए। द्वेष को प्रेम से जीता जाता है। विग्रह को तर्क, तथ्य, प्रमाण प्रस्तुत करते हुए विवेकपूर्वक शांत किया जाता है। इसलिए दुर्भाव और विग्रहों के पनपते ही उनके शमन समाधान का प्रयत्न करना चाहिए। यह सामयिक उभार है, जो देश का बुरा चाहने वालों को दुरभिसंधि के कारण उठ खड़े हुए हैं। यह विषवेलि पानी न मिलने पर समयानुसार सूख जाएगी। पर कुछ व्याधियां ऐसी हैं, जो चिरकाल से चली आने के कारण प्रथा परिपाटी बन गई हैं और उनके कारण देश की क्षमता और एकता दुर्बल होती चली आई है। समय आ गया है कि उन भूलों को अब समय रहते सुधार लिया जाए। जब सभी मनुष्यों की संरचना, रक्त-मांस की बनावट एक जैसी है, तो उनमें से किसे ऊंचा, किसे नीचा कहा जा सकता है? ऊंच-नीच तो सत्कर्म और कुकर्म के कारण बनते हैं। उसका जाति-वंश से कोई संबंध नहीं। धर्म एक है। संप्रदायों का प्रचलन तो समय और क्षेत्रों की आवश्यकता के अनुरूप हुआ है। उनमें से जो जिसे भावे, वह उसे अपनावे। खाने-पहनने संबंध विभिन्न रुचि को जब सहन किया जाता है, तो भिन्न देवताओं की पूजा, भिन्न परम्पराओं का अपनाया जाना किसी को क्यों बुरा लगना चाहिए?

सू-दोकू नवताल -1983

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

सू-दोकू 1982 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1983

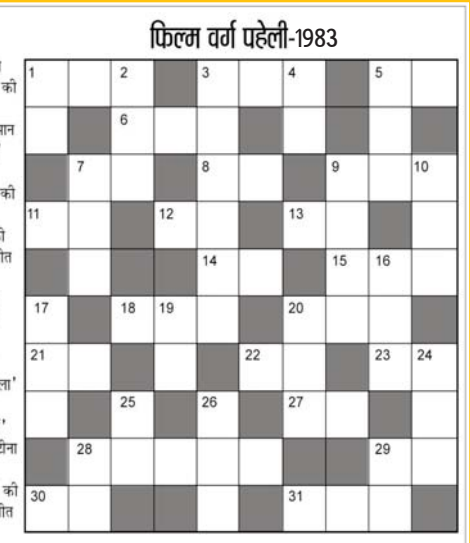

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-3
3. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-3
5. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-2
6. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-3
7. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-2
9. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-2,1
11. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-2
12. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-2
13. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-2
14. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-2
15. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-3
18. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-3
20. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
21. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
23. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
28. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-5
29. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-2
30. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

10. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-3
16. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-3
17. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-3
19. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-2
20. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-3
24. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-3
25. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-3
28. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-4
29. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1982

1. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-2
2. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-3
3. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-4,2
4. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-2
5. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
7. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-3
9. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-4

इस तरह बन सकते हैं एक अच्छा टेलीमार्केटर

एक टेलीमार्केटर वह शख्स है जो कि फोन पर किसी उत्पाद या सेवा को बेचने के लिए जिम्मेदार होता है। टेलीमार्केटर्स प्राइवेट ऑफिसि, कॉल सेंटर या घर से भी काम कर सकते हैं। चूंकि टेलीमार्केटर्स अपने ग्राहकों से फेस-टू-फेस नहीं मिलते हैं इसलिए अच्छी टेली मार्केटिंग स्किल होना बहुत जरूरी है। अच्छा टेलीमार्केटर बनने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए:

टेलीमार्केटिंग के लिए तैयारी

जो आप बेच रहे हैं उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। आपको इस बात की अच्छी समझ होनी चाहिए कि यह क्या है, कैसे काम करता है और किस तरह से संभावित ग्राहकों के लिए उपयोगी है। इसके अलावा, जो आप बेच रहे हैं उसे लेकर आपमें विश्वास होना जरूरी है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी रखें। एक अच्छा टेलीमार्केटर केवल उत्पाद या सेवा नहीं बेचता बल्कि वह कंपनी का भी प्रतिनिधित्व करता है। आपको यह बताने योग्य होना चाहिए कि ग्राहकों को उनके प्रतिद्वंदियों की बजाए उन्हें क्यों चुनना चाहिए। कंपनी का इतिहास, उसकी सोच, मिशन, ग्राहकों के रिव्यूज और इंडस्ट्री रेटिंग्स पता होना चाहिए। आप यह समझें कि सेल्स प्रोसेस क्या है। इसमें क्लोजिंग पेपरवर्क, बिलिंग, शिपिंग, रिफंड/रिटर्न पॉलिसी, कस्टमर सर्पोट और उन्हें जरूरी फॉलोअप शामिल है। अपनी स्क्रिप्ट की प्रैक्टिस कर लें। जब तक आप इसमें सहज न हो जाएं इसे तेज पढ़े।

कॉन्फिडेंस दिखाएं

एक अच्छा टेलीमार्केटर अधिकार से बोलता है जिससे ग्राहकों के दिमाग में बात अच्छे से चले जाती है। अगर आपकी तैयारी पूरी है तब आपको आपके कॉल करने और आपकी कंपनी के बारे में विश्वास के साथ बात करना चाहिए।

प्रभावी हो कम्युनिकेशन स्किल्स

धीरे लेकिन तेज और साफ बोले ताकि आपके कस्टमर को बात आसानी से समझ आ जाएं। बुदबुदाएं नहीं। अपना परिचय दें और बातचीत में जितनी जल्दी हो सके कॉल का मकसद बताएं। रूके और आगे बढ़ने के लिए उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार करें। बहुत ज्यादा या बहुत कम बोलने से बचे बल्कि संतुलित वार्तालाप करें। बहुत ज्यादा फिलर्स का उपयोग करने से बचें।

सपाट न हो टोन

टेलीमार्केटिंग में स्क्रिप्ट्स बहुत आम बात है विशेषकर कॉल सेंटर के माहौल में। लेकिन यह संभव है कि आप उस तरह बोले कि ऐसा न लगे कि आप पेपर से पढ़कर बोल रहे हैं। धीरे-धीरे सांस लें और कॉल करने से पहले रिलेक्स हो जाएं।

पॉजिटिव हो मेंटल एटिट्यूड

याद रखे कि कुछ लोग आपका कॉल एक्सपेक्ट नहीं कर रहे होंगे और इसके लिए ग्रहणशील न हो। इसमें कोई नई बात नहीं है कि आपकी बात में एक रूचि लेने वाले ग्राहक के पहले कई ग्राहक अच्छे टेलीमार्केटर को भी रिजेक्ट कर देंगे। इसलिए इस रिजेक्शन को व्यक्तिगत तौर पर न लें और इसे टेलीमार्केटिंग स्किल्स को पॉलिश करने का एक मौका समझें।

आप भी बन सकते हैं बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन (आईबीपीएस) कुछ ही दिनों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में स्पेशलिस्ट ऑफिसर्स की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। इस परीक्षा में चयनित होने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। फिर रिटन एग्जाम और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार होगी। इस परीक्षा का प्रश्नपत्र 4 भागों में बंटा होता है : रीजनिंग, इंग्लिश लैंग्वेज, प्रोफेशनल नॉलेज तथा बैंकिंग के विशेष संदर्भ में जनरल अवेयरनेस (केवल लॉ ऑफिसर स्केल 1 व 2 तथा राजभाषा अधकिारी हेतु)/ क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड (अन्य सभी स्पेशलाइजेशंस हेतु)। चलिए, जानते हैं कि इन सेक्शंस में किस तरह अच्छा स्कोर किया जा सकता है।

इंग्लिश लैंग्वेज

यह इस परीक्षा का सबसे स्कोरिंग सेक्शन है। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ग्रामर तथा लैंग्वेज पर अच्छी पकड़ जरूरी होती है। आपके ग्रामर संबंधी कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होने चाहिए। साथ ही आपकी वोकैब्युलरी भी मजबूत होनी चाहिए। इस सेक्शन में आम तौर पर पैसेज बेस्ड क्वेश्चन, कॉमन एरर इन सेंटेंस, रैपिड फिलर, क्लोज टेस्ट, एंटॉनिम्स एंड सिनॉनिम्स शामिल होते हैं।

क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड

इस सेक्शन के प्रश्नों को हल करने के लिए उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल किए गए सभी टॉपिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट्स की जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही इस सेक्शन में स्पीड भी महत्वपूर्ण होती है। ध्यान रहे, इस सेक्शन में कोई भी प्रश्न छोड़ें नहीं। इसकी तैयारी के दौरान किसी भी टाइप के प्रश्न को कम न आंकें। यह कभी नहीं कहा जा सकता कि किस साल किस टाइप के प्रश्नों को इस परीक्षा में ज्यादा महत्व मिल जाए। इसमें आम तौर पर नंबर सिस्टम, रेश्यो, प्रॉफिट-लॉस एंड डिस्काउंट, पर्सेंटेज, एवरेज, डेटा इंटरप्रिटेशन, टाइम एंड वर्क आदि से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया डेटा इंटरप्रिटेशन के प्रश्नों पर अधकि जोर देता है।

रीजनिंग एप्टिट्यूड

रीजनिंग सेक्शन की तैयारी के लिए मानसिक सतर्कता और लॉजिकल स्किल जरूरी है। इस सेक्शन में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति समझने के लिए मॉडल पेपर तथा पिछले वर्षों के पेपर हल करें। इसमें वर्बल एंड नॉन-वर्बल रीजनिंग के टॉपिक शामिल होते हैं, जैसे एनालॉजी, इनपुट-आउटपुट, क्लासिफिकेशन, इंफेरेंस आदि।

प्रोफेशनल नॉलेज

यह आपको अपना कंफर्ट जोन लग सकता है क्योंकि इसमें आपकी स्ट्रीम या स्पेशलाइजेशन से संबंधति प्रश्न ही पूछे जाएंगे। यहां भी आपके बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर होने से आप फायदे में रहेंगे।

जनरल अवेयरनेस

जनरल अवेयरनेस सेक्शन की तैयारी के लिए तो आपको लगातार समसामयिक घटनाओं से अपडेटेड रहना होगा। नियमित रूप से अखबार पढ़ते रहें। साथ ही बैंकिंग संबंधी ताजा घटनाक्रम पर नजर रखें।

ऑफिस में इन 4 इमोशंस के साथ भी बन सकते हैं प्रोडक्टिव

खुशी, दुख, चिंता, गुस्साये हर इमोशन आपके किसी न किसी तरह के काम में आपकी परफॉर्मेंस के लिए अच्छे होते हैं। आइए जानते हैं इन इमोशसं का अधिक प्रभावी ढ़ंग से किस तरह उपयोग किया जाए। हालांकि हमने इस बारे में नहीं सोचा होगा कि जो कि काम हम करते हैं, भले ही वह कलिग के ई-मेल का जवाब देना हो या सप्लायर के साथ निगोशिएशन करना हो, हम कई तरह के इमोशंस जैसे खुशी, दुख, चिंता, गुस्सा, गर्व, उत्साह अपने अंदर पाते हैं। कई बार यह इमोशंस हमें हमारी परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं। आइए जानते हैं

चिंता : प्रेजेंटेशन के लिए तैयार

हमें चिंता भले ही निगेटिव इमोशन लगे लेकिन यह एक हाई अलर्ट है और हम अपने राह में आने वाले सभी चीजों के लिए तैयार रहते हैं। अब भले ही वह हमारा प्रेजेंटेशन हो या सेल्स कॉल। आप भले ही इस चिंता के भाव से दूर जाना चाहते हों लेकिन एक बार आप इसके फायदें जान लेंगे तो इसके लिए आभारी रहेंगे। अगले बार जब भी आप नर्वस या चिंता महसूस करें तो यह छुपा हुआ रिएक्शन देखें ' नहीं, मैं नर्वस नहीं हूं। मैं अलर्ट हूं और प्रतिक्रिया के लिए तैयार हूं।'

अच्छा महसूस होना : क्रिएटिविटी में फायदा

एक पॉजिटिव मूड नई बातें सीखने, क्रिएटिव होने और कम क्रिटकिल होने में उपयोगी साबित होता है। पॉजिटिव इमोशन से क्रिएटिविट झलकती है। अगर आप कम महत्वपूर्ण चीजों को आसानी से करना चाहते हैं तो पॉजिटवि मूड मदद कर सकता है। आपने नोटिस किया होगा कि जब आप कोई फैसला लेने वाले होते हैं तो अच्छे मूड में ही होते हैं। अपनी आंखे बंद कीजिए और उन चीजों को याद करें जो आपको आमतौर पर खुशी देती है जैसे कोई पसंदीदा टीवी शो, दोस्त के साथ बातचीत, किताब पढ़ते हुए रिलेक्सेशन, एक अच्छा जोक।

गुस्सा : एक्शन में तब्दील

पागलपन और गुस्सा आना भले ही निगेटिव इमोशन है लेकिन यह किसी व्यक्ति, वस्तु या आइडिया पर एक्शन लेने के लिए प्रेरित करता है। मान लीजिए एक स्टोर का मालिक लाभ के सामान की कीमतें बढ़ा देता है। लेकिन ऐसा करके वह अपना विश्वास चोटिल कर देता है जो कि उसने अपने ग्राहकों के दिमाग में बनाया था। वह डरता है कि बढ़ती कीमत की वजह से ग्राहकों की नाराजगी बढ़ेगी जो कि वह अवॉइड करना चाहता है। डर की बजाए गुस्से को सोर्स मानना उसकी मदद कर सकता है।

दुख : आलोचनात्मक सोच

इस इमोशन के कई सरप्राइजिंग इफेक्ट्स है। जब हम दुखी होते हैं तो हम डिसीजन मेकिंग में पूर्वाग्रह में रहते हैं। दुख हमें ज्यादा अच्छी सोच और आलोचनात्मक सोच प्रदान करता है। यानी दुख भी एक वास्तविक स्त्रोत हो सकता है।

चाहकर भी नहीं रह पाते हैं पॉजिटिव, ये काम करके तो देखिए

कई बार हम सकारात्मक सोचने का निर्णय लेते हैं, लेकिन कुछ ही समय में हमारा व्यवहार पहले जैसा हो जाता है। आइए जानें ऐसी पांच बातें, जिनसे हमें हमेशा सकारात्मक रहने में मदद मिलेगी।

जो पाना है, उस पर फोकस

हमारी एक गलती से नकारात्मकता हमारी विचार प्रक्रिया में शामिल हो जाती है और वह है एक ही बात के बारे में बार-बार सोचना। किसी भी चीज का परिणाम क्या होगा, यह सोचकर अपना समय बर्बाद करने से अच्छा है कि हम इस बात पर फोकस करें कि हमें क्या अचीव करना है। इससे हमारा काम बेहतर होगा।

समस्या के साथ सीख

हर समस्या में हमारे लिए एक सीख छिपी होती है और हमें उस सीख को समझकर हमेशा के लिए उसे गांठ बांध लेना चाहिए। हम समस्या से घबराकर नकारात्मक सोचना शुरू कर देते हैं और उल्टे-सीधे कयास लगाते हैं, जिससे समस्या वास्तविकता से ज्यादा बड़ी लगने लगती है। अगर हम सीख को याद रखकर आगे उस पर अमल करें, तो यह हमारे अनुभव को समृद्ध करने का काम करेगा।

खुद की सराहना

दूसरों के अच्छे काम की तारीफ तो हम सब करते हैं, लेकिन अपने किए हुए अच्छे काम पर शायद ही हम खुद को शाबाशी देते हों। छोटी-से-छोटी चीजों को भी अचीव करने पर हमें खुद की सराहना करनी चाहिए। इससे हमारी विचार प्रक्रिया पर काफी सकारात्मक असर पड़ता है।

अपनी क्षमताओं पर विश्वास

खुद की क्षमता पर हमेशा भरोसा रखें। खुद पर से आपका विश्वास जितना डगमगाएगा, आपके जीवन में नकारात्मकता भी उतनी ही बढ़ती जाएगी। इसलिए कभी यह मत सोचिए कि कोई काम आप नहीं कर सकते। हमेशा इस पर फोकस करें कि वह काम आप तय समय में कैसे करेंगे।

अपने रवैये का विश्लेषण

अगर आपको खुद की कोई आदत अच्छी नहीं लगती और न चाहते हुए भी आप बार-बार उसे दोहरते हैं, तो उसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। ऐसे व्यवहार से न सिर्फ हमारे अंदर, बल्कि हमारे आसपास भी नकारात्मकता बढ़ती है और लोग हमसे दूर भागते हैं।

एचएमएसआई ने एक्टिवा 125 प्रीमियम संस्करण उतारा, कीमत 78,725 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने देश में एक्टिवा 125 प्रीमियम संस्करण उतारा है। इसकी दिल्ली शोरूम में कीमत 78,725 रुपये से शुरू होती है। इस मॉडल के दो संस्करणों की कीमत क्रमश- 78,725 रुपये और 82,280 रुपये रखी गई है। एचएमएसआई के प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अत्सुशी ओगाता ने बयान में कहा, ''ब्रांड एक्टिवा बदलाव ला रहा है। एक्टिवा के प्रत्येक नए संस्करण के साथ कंपनी ने उत्पाद गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता को लेकर अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत किया है। एचएमएसआई के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) यादविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा कि एक्टिवा देश में ग्राहकों की विविध जरूरतों को पूरा करता है।

अमेरिका में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी फैक्ट्री बनाएगी टोयोटा

सैन फ्रांसिस्को। टोयोटा मोटर कॉर्प ने घोषणा की है कि वह अमेरिका में अपनी कुछ इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति श्रृंखला लाने के प्रयास में उत्तरी कैरोलिना में एक नई 1.29 बिलियन डॉलर की लागत से बैटरी फैक्ट्री का निर्माण कर रही है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, टोयोटा ने घोषणा की है कि वह अगले दशक में बैटरी तकनीक में करीब 13.6 अरब डॉलर का निवेश करेगी, उत्पादन में 9 अरब डॉलर का निवेश शामिल है। क्योंकि यह अपने वाहन लाइनअप को विद्युतीकृत करने का प्रयास करता है। नया संयंत्र शुरू में सालाना 8 लाख वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी की आपूर्ति करने में सक्षम होगा। पहले वर्ष में, फर्म इलेक्ट्रिक वाहनों के आगामी लाइनअप के लिए 1.2 मिलियन बैटरी पैक का उत्पादन करने की योजना बना रही है। उत्तरी अमेरिका में टोयोटा मोटर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी क्रिस रेनॉल्ड्स की रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है, यह निवेश, जो मुझे लगता है कि उत्तरी कैरोलिना के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निजी पूंजी निवेश है.. कम से कम 1,750 नई नौकरियां पैदा करेगा और हमें ऑटोमोटिव बैटरी उत्पादन को विकसित करने और स्थानीय बनाने में मदद करेगा जो यहां निर्मित बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्ग प्रशस्त करेगा। नई विनिर्माण इकाई से 1,750 नए अमेरिकी रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। ऑटोमेकर ने इस बात पर जोर दिया कि वह बैटरी के उत्पादन के लिए नई सुविधा में 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले, टोयोटा की सहायक कंपनी वोवन प्लैनेट ने घोषणा की कि उसने लेवल 5 का अधिग्रहण पूरा कर लिया है, जो राइडशेयर दिग्गज लाइफ्ट का सेल्फ-ड्राइविंग डिवीजन है। लेवल 5 2017 में गठित लाइफ्ट का एक डिवीजन है, जो विशेष रूप से सेल्फ-ड्राइविंग तकनीकों के लिए समर्पित है। चार वर्षों में, सेल्फ-ड्राइविंग डिवीजन अपने चौथी पीढ़ी के प्लेटफॉर्म के सार्वजनिक सड़क परीक्षण तक पहुंच गया है।

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 886 अंक और निफ्टी 264 अंक उछला

मुंबई:

वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर रिजर्व बैंक के नीतिगत दरों को यथावत बनाए रखने की उम्मीद और पिछले सत्र की भारी गिरावट के कारण हुई लिवाली के बल पर आज शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी रही और इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी 1.56 प्रतिशत की बढ़त बनाने में सफल रहे लेकिन इसके बावजूद भी बाजार पिछले सप्ताह के स्तर पर नहीं पहुंच सका। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 886.51 अंक उठकर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुए 57633.65 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेज (एनएसई) का निफ्टी 264.45 अंक बढ़कर 17176.70 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुई जोरदार लिवाली के बल पर छोटी और मझौली कंपनियों में भी खरीद हुई जिससे बीएसई का मिडकैप 1.29 प्रतिशत बढ़कर 25161.62 अंक पर और स्मॉलकैप 1.14 प्रतिशत चढ़कर 28358.62 अंक पर रहा। बीएसई में हुई चौतरफा लिवाली के बल पर सभी समूह हरे निशान में रहे। इसमें धातु 3.20 प्रतिशत, रियलटी 2.58 प्रतिशत, बैंकिंग 2.54 प्रतिशत और वित्त 2.05 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। हेल्थकेयर में सबसे कम 0.19 प्रतिशत की बढ़त रही। बीएसई में कुल 3394 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2331 में तेजी रही जबकि 946 में गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 117 में कोई बदलाव नही हुआ।

वैश्विक स्तर पर सभी प्रमुख सूचकांक हरे निशान में रहे। ब्रिटेन का एफटीएसई 1.17 प्रतिशत, जर्मनी का डेक्स 1.98 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.89 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 2.72 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.16 प्रतिशत शामिल है।

रुपया चार पैसे बढ़कर 75.41 प्रति डॉलर पर

मुंबई, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया चार पैसे की तेजी के साथ 75.41 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयरों में भारी लिवाली से रुपये को समर्थन मिला। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कोरोना वायरस के नये स्वरूप को लेकर बनी अनिश्चितता तथा विदेशी पूंजी की निकासी से रुपये की तेजी पर हालांकि कुछ अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.31 पर मजबूत खुलने के बाद ऊंचे में 74.26 और नीचे में 75.49 तक गया। अंत में रुपया महज चार पैसे की तेजी के साथ 75.41 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पूर्व सोमवार को रुपया 75.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 96.37 हो गया। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमत दो प्रतिशत की तेजी के साथ 74.54 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी।। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 886.51 अंक की तेजी के साथ 57,633.65 अंक पर बंद हुआ।

कोकिंग कोयले की कीमत को आयातित कोयले से जोड़ने पर विचार कर रही है सरकार

नई दिल्ली: सरकार ने मंगलवार को कहा कि कोकिंग कोयले की आपूर्ति बढ़ाने और इसे सस्ती दर पर उपलब्ध कराने के लिए घरेलू कोकिंग कोयले की कीमत को आयातित सूखे ईंधन से जोड़ने जैसे उपायों पर विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक अंतर मंत्रालयी समिति ने गुणवत्ता मानकों को ध्यान में रखते हुए घरेलू कोकिंग कोयले के लिए एक आयात आधारित मूल्य निर्धारण तंत्र तैयार करने का सुझाव दिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''देश में कोकिंग कोयला की आपूर्ति बढ़ाने और इसकी कीमतों में कमी के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ राख के प्रतिशत को कम करने और कोकिंग कोयले की कीमत को आयातित कोयले से जोड़ने के उपायों पर विचार किया जा रहा है।'' अतिरिक्त कोयला सचिव की अध्यक्षता वाली समिति ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और निजी क्षेत्र द्वारा उत्पादन के लिए अतिरिक्त कोकिंग कोयला ब्लॉकों की पहचान और सीबीएम कोकिंग कोयला ब्लॉकों की नीलामी का भी सुझाव दिया है। मंत्रालय ने कहा कि देश में कोकिंग कोयले के उत्पादन को बढ़ाने की रणनीति बनाने के लिए उद्योग हितधारकों समेत अंतर मंत्रालयी समिति ने अपने सुझाव भेज दिए हैं। इसी के आधार पर कोयला मंत्रालय ने घरेलू कोकिंग कोयले के उत्पादन और उपयोग को बढ़ाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने के लिए मिशन कोकिंग कोयला की शुरुआत की है।

यूज्ड कार प्लेटफॉर्म स्पिनी ने 283 मिलियन डॉलर जुटाकर बनाया नया यूनिकॉर्न

नई दिल्ली।

यूज्ड कार रिटेलिंग प्लेटफॉर्म स्पिनी ने मंगलवार को नए और मौजूदा निवेशकों से 283 मिलियन डॉलर के फंडिंग को बंद करने की घोषणा की, जिससे इसका मूल्यांकन 1.8 बिलियन डॉलर हो गया और 2021 में एक और यूनिकॉर्न बन गया। कंपनी ने कहा कि जुटाई गई पूंजी का उपयोग ग्राहक अनुभव को बढ़ाने, प्रौद्योगिकी और उत्पाद क्षमताओं को मजबूत करने और सभी कार्यों में टीम बनाने के लिए किया जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सीरीज ई दौर का नेतृत्व अबू धाबी स्थित एडीक्यू, टाइगर ग्लोबल और एवेनियर ग्रोथ ने किया था। साथ ही मौजूदा निवेशकों फिरोज दीवान, एरिना होल्डिंग्स और थिंक इन्वेस्टमेंट्स की भागीदारी थी।

स्पिनी के संस्थापक और सीईओ नीरज सिंह ने कहा, हमने कार खरीदने और बेचने के अनुभव में विश्वास की कमी को हल करने के लिए, अत्यधिक व्यक्तिगत और विस्तार-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ ग्राहक के पहले दृष्टिकोण के साथ स्पिनी का निर्माण शुरू किया। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, हमारा ध्यान हमारी गुणवत्ता और अनुभव नियंत्रण क्षमताओं को और मजबूत करना है।लेटेस्ट दौर में 250 मिलियन डॉलर का प्राथमिक पूंजी निवेश और चुनिंदा निवेशकों द्वारा 33 मिलियन डॉलर की द्वितीयक बिक्री शामिल है।अतिरिक्त फंडिंग से अब तक स्पिनी द्वारा जुटाई गई कुल धनराशि 530 मिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। 2015 में स्थापित, स्पिनी ग्राहकों को एक प्रीमियम अनुभव देने के लिए बेहतर तकनीक और प्रक्रियाओं को एम्बेड करते हुए, पूर्व-स्वामित्व वाली कारों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में संचालित होती है। वर्तमान में, स्पिनी के पास 23 कार हब हैं जो 15 शहरों में संचालित होते हैं।करीब 40 भारतीय स्टार्टअप्स ने इस साल अकेले यूनिकॉर्न क्लब में जगह बनाई है और 38 अरब डॉलर से ज्यादा जुटाए हैं।

गुजरात सरकार ने आगामी वैश्विक शिखर सम्मेलन को लेकर बेंगलुरु में रोड शो किया

बेंगलुरू।

गुजरात सरकार के शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जीतूभाई वघानी के नेतृत्व में एक टीम ने अगले साल जनवरी में होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) के आगामी 10वें संस्करण के तहत मंगलवार को बेंगलुरु में रोड शो किया।

गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उल्लेखनीय सामाजिक-आर्थिक विकास हुआ है और दुनिया भर में एक मजबूत स्थिति के साथ एक गतिशील राष्ट्र के रूप में विकसित हुआ है।वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के राष्ट्रीय भागीदार एसोचैम ने बेंगलुरु में रोड शो का आयोजन किया।वघानी ने केंद्र द्वारा की गई पहलों का हवाला दिया, जिसका भारत के भविष्य पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। इसमें गतिशटकी मास्टर प्लान, प्रोडक्शन-लिंकडइंसेंटिव (पीएलआई) योजना, पारदर्शी और अनुमानित कर प्रणाली, अनुपालन बोझ को कम करना, व्यापार करने में आसानी, मेक इन इंडिया समेत अन्य दूसरे प्लान शामिल हैं। वीजीजीएस की परिकल्पना 2003 में मोदी के नेतृत्व में की गई थी, जो उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा कि तब से, शिखर सम्मेलन व्यापार नेटवर्किंग, ज्ञान-साझाकरण और समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए रणनीतिक साझेदारी के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में उभरा है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 10 जनवरी को गांधीनगर में शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि 10वें वीजीजीएस का विषय आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत है। मंत्री ने कहा कि गुजरात एक नीति संचालित राज्य है। एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए, राज्य सरकार ने औद्योगिक नीति 2020, एकीकृत लॉजिस्टिक और लॉजिस्टिक पार्क नीति, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सौर ऊर्जा नीति, और पर्यटन और कपड़ा नीति सहित भविष्य के विकास के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां और योजनाएं शुरू की हैं।उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक प्रमुख आईटी फर्मों और स्टार्टअप्स का घर है। वघानी ने कहा, गुजरात अपनी स्टार्टअप इनोवेशन पॉलिसी और आईटी और आईटीईएस नीति में भी सुधार कर रहा है, ताकि मौजूदा और आने वाली आईटी फर्मों को राज्य में अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जो आईहब, आईक्रिएट और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआई) का घर है।मंत्री ने आगे कहा कि गुजरात के तीन शहर - सूरत, अहमदाबाद और वडोदरा - भारत की स्मार्ट सिटी रैंकिंग में शामिल हैं। निवेशकों को आमंत्रित करते हुए वघानी ने कहा कि वीजीजीएस 2022 उनके लिए एक अनूठा व्यावसायिक अवसर प्रस्तुत करेगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक वित्त विकल्प पेश करने के लिए कर्नाटक बैंक के साथ साझेदारी की

बैंगलोर : अपने ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण की खोज में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज कर्नाटक बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की, ताकि शहरों की एक विस्तृत श्रृंखला में ग्राहकों के लिए आसान वित्त विकल्प सक्षम किया जा सके। और भारत भर के कस्बों।

विलय के बाद, कर्नाटक बैंक टीकेएम द्वारा बेचे जाने वाले वाहनों की पूरी श्रृंखला के लिए पसंद के फाइनेंसरों में से एक होगा। ग्राहकों को प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर वित्त विकल्प उपलब्ध होंगे, जिनमें निजी और व्यावसायिक दोनों तरह के उपयोग के लिए टोयोटा वाहनों की खरीद के लिए प्राथमिकता क्षेत्र की योजनाओं के तहत शामिल हैं।विलय पर अपने विचार साझा करते हुए, कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ, महाबलेश्वर एम.एस. यह हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने के लिए दो महान ब्रांडों, कर्नाटक बैंक और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का एक सहयोगात्मक प्रयास है।

हम टीकेएम के साथ सहयोग करने का आनंद लेते हैं और यह साझेदारी हमारे उन ग्राहकों को हमारे डिजिटल कार ऋण उत्पादों का तेज और निर्बाध अनुभव प्रदान करेगी जो टीकेएम से विश्व स्तरीय उत्पादों का स्वामित्व हासिल करना चाहते हैं। कर्नाटक बैंक देश में विकसित एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ मौजूदा और साथ ही नए ग्राहकों के लिए हमारे व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से कार ऋण प्रदान करता है, जो आसान और तेज प्रसंस्करण क्षमताओं में सक्षम है। यह साझेदारी हमारे ग्राहकों के साथ-साथ टोयोटा किर्लोस्कर मोटर वाहनों के संभावित खरीदारों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने की निरंतर प्रतिबद्धता प्रदान करती है।”

टाई-अप पर टिप्पणी करते हुए, श्री आर वेंकटकृष्णन, उपाध्यक्ष (वीपी), सामरिक व्यापार इकाई, टीकेएम ने कहा:”टीकेएम हमेशा आसान वित्त विकल्पों के लिए समय पर और प्रासंगिक योजनाएं पेश करके ग्राहकों को बढ़ाने और सुविधा प्रदान करने का प्रयास करता है।विलय हमारे ग्राहकों के लिए एक परेशानी मुक्त और निर्बाध खरीदारी अनुभव के लिए बैंकिंग और वित्त समाधान की एक नई पीढ़ी स्थापित करने का एक ऐसा प्रयास है। ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर जैसे उत्पादों के साथ बी-सेगमेंट में हमारे सफल प्रवेश के बाद, हमने मेट्रो के अलावा छोटे शहरों और कस्बों से भी मजबूत मांग देखी है। बढ़ती मांग को पूरा करने और मेट्रो के साथ-साथ छोटे बाजारों में हमारे ग्राहकों के बिक्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, हम ग्रामीण बाजारों पर मजबूत फोकस के साथ देश भर में टोयोटा उत्पादों की पहुंच का और विस्तार करना चाहते हैं। इस सहयोग के माध्यम से, हमने वित्तपोषण की सुविधा के साथ-साथ अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन योजनाओं को डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अपने पार्टनर कर्नाटक बैंक के साथ, हम अपने ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम समाधान तैयार करने के लिए अपनी संबंधित शक्तियों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।”

मद्रास उच्च न्यायालय ने बकाया के मामले में स्पाइसजेट के परिसमापन का आदेश दिया

चेन्नई:

मद्रास उच्च न्यायालय ने बकाया राशि नहीं चुकाने के मामले में निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी स्पाइसजेट लिमिटेड के परिसमापन का आदेश दिया है। अदालत ने स्विट्ज़रलैंड की एक कंपनी क्रेडिट सुइस एजी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के आधिकारिक परिसमापक (लिक्विडेटर) को स्पाइसजेट की संपत्ति पर कब्जा लेने का भी आदेश दिया है। क्रेडिट सुइस ने कंपनी कानून, 1956 के प्रावधानों के तहत भारतीय कंपनी के परिसमापन और आधिकारिक परिसमापक नियुक्त करने की अपील की थी। न्यायमूर्ति आर सुब्रमण्यम ने सोमवार को अपने आदेश में कहा कि स्पाइसजेट मतुसूदन गोवर्धनदास एंड कंपनी बनाम मधु वूलन इंडस्ट्रीज (पी) लिमिटेड मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा सुझाए गए तीन परीक्षणों के मोर्चे पर संतुष्ट करने में पूरी तरह विफल रही है। वही याचिकाकर्ता के अनुसार स्पाइसजेट ने विमान के इंजनों के रखरखाव, मरम्मत तथा संचालन के लिए अनिवार्य चीजों के लिए स्विट्जरलैंड की एसआर टेक्निक्स कंपनी से सेवाएं ली थीं।

रमीकल्चर ने अल्ट्रा डील्स और नए गेम प्ले फीचर्स लॉन्च किए, सबसे ज्यादा इनाम देने वाला ऑनलाइन रमी प्लेटफॉर्म बना

“गेम्सक्राफ्ट” के हाउस से भारत क सबसे तेजी से बढ़ते ऑनलाइन रमी प्लेटफॉर्म रमी कल्चर ने नए गेमप्ले फीचर्स और वैरिएंट्स के लॉन्च से संबंधित विस्तृत विवरण की घोषणा की है। नए फीचर्स का उद्देश्य सभी कुशल गेमर्स के लिए खेलने के अनुभव को और आकर्षक बनाना और नए खिलाड़ियों के बीच रमी की लोकप्रियता को बढ़ाने में मदद करना है। इसके अलावा रमी कल्चर ने नया गेम फॉर्मेट अल्ट्रा डील्स रमी लॉन्च किया।

नए गेम प्ले में कई आकर्षक विशेषताएं हैं, जो हर गेम को ज्यादा –

- पॉइंट्स ग्रैंड स्लैम-खिलाड़ी ज्यादा पॉइंट्स के लिए खेलकर रोजाना बड़ी जीत हासिल करते हैं और लीडर्सबोर्ड के टॉप पर पहुंचते हैं। जितना ज्यादा आप खेलते हैं, उतना ही ज्यादा आप जीतते हैं। यह खिलाड़ियों को अपनी रमी स्किल दूसरे खिलाड़ियों के सामने दिखाने की इजाजत देता है।
- अल्ट्रा-डील्स रमी ⁼ आकर्षक गेम फॉर्मेट के साथ हर बाजी जीतिए। यह गेम काफी जल्दी खत्म होता है। विन ऑल, लूज ऑल के साथ गेमिंग का अनुभव पॉइंट्स और पूल से ज्यादा रोमांचक बन जाता है।

o अगर आपके पास पारंपरिक पूल रमी खेलने के लिए पर्याप्त समय नहीं है तो आप 2 प्लेयर्स, वन डील खेल सकते हैं। यह तेजी से नतीजे देने वाला और जीतने का मौका देने वाला फास्ट गेम है।

रमी कल्चर का फोकस लगातार प्रॉडक्ट इनोवेशन और एक्सपीरिएंस पर है। कंपनी ने यूजर इंटरफेस पर नए फीचर्स की नई रेंज की घोषणा की है जैसे –

- सेपरेट ऑफर सेक्शन ⁼ एक लिस्टिंग के माध्यम से यूजर्स सभी प्रासंगिक ऑफर्स को आसानी से खोज कर सकता है। यह पेज यूजर्स को ऑफर्स को पारदर्शी ढंग से ज्यादा अच्छी तरह समझने का मौका देता है और अगला बेस्ट कोर्स ऑफ एक्शन प्रदान करता है।

o एक्टिव कार्डर्स के लिए ऑफर लैंडिंग पेज के माध्यम से आप स्क्रैच कार्ड को बेहतर ढंग से देख सकते हैं और अपग्रेडेड स्क्रैच कार्ड यूजर इंटरफेस मिलता है।

- न्यू गेम टेबल ⁼ यह गेम प्ले के मुकाबलों में हुई प्रगति को दिखाता है। इससे खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा खेलने के लिए प्रोत्साहन मिलता है और ज्यादा से ज्यादा उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।
- यह यूजर्स को ज्यादा गेम खेलने और एंजॉय करने और लीडर बोर्ड पर ऊंचाई तक बढ़ने के लिए गेमप्ले की लीडर बोर्ड रैंक दिखाता है

फंड्स इंडिया ने निवेशकों के लिए पेश किया विशिष्ट उत्पादों का समूह

⁼ फंड्स इंडिया ने निवेशकों के लिए एक्सक्लूसिव उत्पादों की श्रृंखला को जारी किए जाने की घोषणा की है। फंड्स इंडिया, वेल्थ इंडिया फिनान्शल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की पहल है। निवेश उत्पादों में निवेशक और कंपनी के बीच सीधा संबंध और निजी रूप से विशेष ध्यान, पावर एसआईपी, पावर एसटीपी, ऑटोमेटेड हैल्थ चेक और मनी मित्र शामिल हैं। मनी मित्र भारतीय निवेशकों के लिए दिशानिर्देशक रोबो है। उत्पादों की इस श्रृंखला में डिजीलॉकर जैसी विशेष सुविधा भी शामिल है, जो आपको बेहद कम समय में अकाउंट खोलने में मदद करेगा।

भविष्य में अपने दायरे और ब[illegible]ाने के लिए फंड्सइंडिया ने अपने प्लेटफॉर्म को अपग्रेड और परिवर्तित किया है, ताकि बड़ी संख्या में निवेशकों आधार तक पहुँचा जा सके। इन बड़े उपायों को शामिल करने के लिए इसे एक्सक्लूसिव उत्पादों की श्रृंखला के रूप में डिजाइन किया गया है जो सभी निवेशकों की सामान्य जरूरतों को पूरा करता है। यह निवेशकों को एक सुविधाजनक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर म्युचुअल फंड की एक विस्तृत श्रृंखला, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से नकद विकल्प, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) से नकद और एफऐंडओ विकल्प, एमएससीआई-इंडिया इंडेक्स, प्रीमियम कंपनियों की तरफ से कॉरपोरेट डिपॉजिट्स, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और विभिन्न अन्य निवेश उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करेगा।

उत्पादों की श्रृंखला में क्या कुछ शामिल है, उसकी एक झलक यहाँ दी गई है। उन निवेशकों के लिए जो कोई भी निवेश निर्णय लेने से पहले खुद ही शोध करना पसंद करते हैं, फंड्सइंडिया का अनूठा रोबो च्मनी मित्रज्ज अपने लक्ष्यों के लिए उच्च गुणवत्ता, व्यक्तिगत निवेश मार्गदर्शन देता है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक और मानव विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाता है। मनी मित्र के साथ आप अपने सभी लक्ष्यों के लिए अपने वित्त की योजना बना सकते हैं। मनी मित्र आपको सबसे पहले वैयक्तीकृत पोर्टफोलियो अनुशंसा के साथ जानकारी प्रस्तुत करता है। यह शक्तिशाली, लचीला और सुसंगत है। यह मजबूत अल्गोरिदम पर चलता है, जो किसी की निवेश जरूरतों के लिए विभिन्न आयामों में सर्वश्रेष्ठ म्यूचुअल फंड चुनना सुनिश्चित करता है। यह पोर्टफोलियो की निगरानी करता है, उसका आकलन करता है, लक्ष्यों के प्रति पोर्टफोलियो की प्रगति की समीक्षा करता है और फिर उसे ट्रैक पर रखने के लिए बदलावों की सिफारिश करता है।

जो निवेशक एसआईपी के रूप में इक्विटी निवेश के इच्छुक हैं, उनके लिए निवेश आवश्यकताओं के लिए एक उत्पाद तैयार किया गया है। फंड्सइंडिया के पावर एसआईपी को बाजार के महँगे होने पर इक्विटी में मासिक निवेश को स्वचालित रूप से कम करने और शेष राशि को डेट फंड में अस्थायी रूप से निवेश करने के लिए तैयार किया गया है। जब भी बाजार सस्ता होगा पावर एसआईपी स्वचालित रूप से आपके वास्तविक मासिक निवेश की तुलना में इक्विटी में बहुत अधिक निवेश करेगा।

विराट कोहली टेस्ट मैच क्रिकेट को पूजते हैं : रवि शास्त्री

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सोमवार को राष्ट्रीय टीम और कप्तान विराट कोहली की टेस्ट क्रिकेट को अपनाने और पिछले पांच वर्षों में फॉर्मेट के राजदूत होने के लिए प्रशंसा की। मुंबई में सीरीज के फाइनल में विश्व टेस्ट चैंपियंस पर 372 रन की जीत के बाद न्यूजीलैंड को हराकर टीम इंडिया ने आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर कोई टीम पिछले पांच वर्षों में टेस्ट मैच के लिए एक एंबेस्डर रही है, तो यह भारतीय क्रिकेट टीम है। विराट टेस्ट मैच क्रिकेट की पूजा करते हैं, जैसा कि ज्यादातर टीम करते हैं। चार साल तक भारत को कोचिंग देने वाले शास्त्री ने अपने पॉडकास्ट पर जाने-माने लेखक जेफरी आर्चर को बताया, अगर आप टीम में किसी से पूछें, तो उनमें से 99 प्रतिशत कहेंगे कि उन्हें टेस्ट मैच क्रिकेट पसंद है। इसलिए, भारत ने पिछले पांच वर्षों में जो किया है, वह हर साल के अंत में दुनिया की नंबर 1 टीम के रूप में बना रहता है। शास्त्री ने मुख्य कोच के रूप में अपने शासनकाल के दौरान टेस्ट में टीम की उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकतरफा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंतिम हार के बारे में बात की। इस साल इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया में दो श्रृंखला जीतने के लिए भारत की लड़ाई में वापसी हुई।

वॉर्नर, साउदी और आबिद आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई ।

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, पाकिस्तान के बल्लेबाज आबिद अली और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी को मंगलवार को नवंबर माह के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। महिला वर्ग में इस सूची में वेस्टइंडीज की हरफनमौला हेली मैथ्यूज के साथ पाकिस्तान की बाएं हाथ की स्पिनर अनम अमीन और बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर शामिल है। नवंबर के महीने का नामांकन संयुक्त अरब अमीरात एवं ओमान में हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के मैचों सहित सभी प्रारूपों में प्रदर्शन के आधार पर है। आईसीसी की एक स्वतंत्र मतदान अकादमी और दुनिया भर के प्रशंसक विजेताओं का फैसला करने के लिए मतदान कर सकते हैं, जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी। प्रशंसकों को रविवार तक मत डालने के लिए आमंत्रित किया गया है। वार्नर टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 49 और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 53 रनों की शानदार पारी खेली थी। इस दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय की चार पारियों में उन्होंने 69.66 के औसत और 151.44 के स्ट्राइक रेट से 209 रन बनाए। उनके यह प्रदर्शन आस्ट्रेलिया को विश्व चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज आबिद अली को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) श्रृंखला के पहले मैच में 133 और 91 रन की पारी खेली। वह इस मैच के मैन ऑफ द मैच भी रहे। साउदी ने सबसे छोटे प्रारूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के तुरंत बाद कानपुर में भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में आठ विकेट चटकाए। यह मैच ड्रॉ पर छूटा। उन्होंने टी20 विश्व कप के दौरान नवंबर में खेले गए मैचों में सात विकेट विकेट लिए और अपनी टीम को फाइनल में पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। महिलाओं के वर्ग में बांग्लादेश की नाहिदा ने इस दौरान चार एकदिवसीय में 13 विकेट झटके और महज 2.22 रन प्रति ओवर खर्च किए। अनम ने भी नवंबर में 13 विकेट लिए और तीन रन प्रति ओवर के हिसाब से रन खर्च किए। वेस्टइंडीज की हरफनमौला मैथ्यूज को दूसरी बार नामांकन मिला है। उन्होंने इससे पहले जुलाई में अपनी कप्तान स्टैफनी टेलर के साथ नामांकन हासिल किया था। उन्होंने नवंबर में चार एकदिवसीय मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए 141 रन बनाए और 13.11 की औसत से 9 विकेट हासिल किए।

नोवाक जोकोविच एटीपी टूर्नामेंट में खेलेंगेः आयोजक

सिडनी ।

नोवाक जोकोविच को जनवरी में होने वाले एटीपी कप के लिए सर्बिया की टीम में शामिल किया गया है, जिससे इस बात का संकेत मिलता है कि वह टीकाकरण की अपनी स्थिति पर विवाद के बावजूद वह इस टूर्नामेंट के एक सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई ओपन में खेल सकते हैं। आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में से 18 खिलाड़ी एक से 9 जनवरी तक सिडनी में होने वाले 16 देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें जोकोविच शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया का प्रतिनिधित्व करेंगे।जोकोविच ने आस्ट्रेलियाई ओपन के अपने खिताब का बचाव करने को लेकर सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्धता नहीं जतायी है। उन्होंने इस ग्रैंड स्लैम के लिए जरूरी अपनी टीकाकरण की स्थिति का खुलासा नहीं किया है। आस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने इसमें भाग लेने वालों के लिए पूर्ण टीकाकरण को अनिवार्य किया है। एटीपी कप टूर्नामेंट में हालांकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन जैसे नियम नहीं है लेकिन सिडनी में खेलने के बाद इस बात की संभावना बन सकती है वह मेलबर्न पार्क में अपने 10 वें खिताब और कुल 21 वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सपना पूरा कर सके।सिडनी में खेलने के लिए हालांकि जोकोविच को 14 दिनों तक पृथकवास में रहना होगा। सर्बिया ग्रुप ए में दावेदार के तौर पर अपने अभियान को शुरू करेगा। इस ग्रुप में नॉर्वे,चिली और स्पेन भी शामिल है। विश्व रैंकिंग के छठे पायदान के खिलाड़ी राफेल नडाल को स्पेन की टीम में जगह दी गई है। आस्ट्रेलिया को ग्रुप बी में गत चैंपियन रूस और इटली और आस्ट्रिया की मजबूत टीमों के साथ है। जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका ग्रुप सी में हैं, जबकि यूनान, पोलैंड अर्जेंटीना और जॉर्जिया ग्रुप डी में है। एटीपी कप सिडनी में केन रोजवेल एरिना और टेनिस स्टेडियम सिडनी ओलंपिक पार्क में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से शुरू होगा।

अमेरिका ने की बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार की घोषणा

नई दिल्ली।

अमेरिका ने चीन में 2022 के शीतकालीन ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार की घोषणा की है। इस कदम की बीजिंग ने आलोचना की है। इस बारे में बीबीसी की रिपोर्ट में जानकारी दी गई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट हाउस ने कहा कि चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड की चिंताओं के कारण खेलों में कोई आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी एथलीट इसमें भाग ले सकते हैं और उन्हें सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा। चीन ने वाशिंगटन के इस कदम की आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र में चीन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, अमेरिका खेलों का राजनीतिकरण कर विभाजन पैदा करना चाहता है। खेलों की सफलता कुछ ही देशों के सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति पर निर्भर नहीं करती है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने सोमवार को बहिष्कार की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रशासन ओलंपिक में कोई योगदान नहीं देगा। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी राजनयिक या आधिकारिक प्रतिनिधित्व इन खेलों को हमेशा की तरह पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचारों के खिलाफ है। अमेरिका की घोषणा के बाद न्यूजीलैंड ने भी मंगलवार को कहा कि वह भी प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूके और ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देश भी बहिष्कार करने पर विचार कर रहे हैं।

सीएसए ने भारत दौरे के कार्यक्रम की पुष्टि की, पहला टेस्ट 26 दिसंबर को

जोहानसबर्ग।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने सोमवार को 26 दिसंबर से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे के ताजा कार्यक्रम तय किए जाने की पुष्टि की।सीएसए ने कहा, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के लिए दौरे के ताजा कार्यक्रम की पुष्टि करना खुशी की बात है। जैसा कि सप्ताहांत में घोषित किया गया था, दौरे को तीन श्रृंखला से घटाकर दो कर दिया गया है। बेटवे टेस्ट और एक दिवसीय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ सफल जुड़ाव के बाद अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला चार स्थानों पर 26 दिसंबर से 23 जनवरी 2022 तक होगी। न्यूलैंड्स अब जनवरी में प्रोटियाज और भारत के बीच तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा, जिसमें नए साल का टेस्ट वांडर्स में स्थानांतरित हो जाएगा। वांडर्स 17 दिसंबर से तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट की मेजबानी करने के लिए तैयार था, लेकिन कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रोन के उद्भव ने इस पर फिर से विचार करने के लिए प्रेरित किया। पहला टेस्ट अब 26 दिसंबर से सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट वांडर्स में (3-7 जनवरी) और तीसरा टेस्ट न्यूलैंड्स (11-15 जनवरी) में होगा। वनडे सीरीज के पहले दो मैच पार्ल के बोलैंड पार्क और तीसरे न्यूलैंड्स में खेले जाएंगे। चार मैचों की टी20 सीरीज को स्थगित कर दिया गया है। सीएसए ने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ सफल जुड़ाव के बाद, चार मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला को नए साल में अधिक उपयुक्त समय के लिए फिर से तय किया जाएगा। यह टेस्ट श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नए चक्र का हिस्सा बनेगी, जबकि एकदिवसीय श्रृंखला आईसीसी पुरुष विश्व कप सुपर लीग, 2023 आईसीसी पुरुष विश्व कप के लिए योग्यता टूर्नामेंट का हिस्सा बनेगी।

भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा :

- **पहला टेस्ट :** दिसंबर 26-30, सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन
- **दूसरा टेस्ट :** 3-7 जनवरी, वांडर्स, जोहान्सबर्ग
- **तीसरा टेस्ट :** 11-15 जनवरी, न्यूलैंड्स, केप टाउन
- **पहला वनडे :** 19 जनवरी, बोलैंड पार्क, पार्ल
- **दूसरा वनडे :** 21 जनवरी, बोलैंड पार्क, पार्ल
- **तीसरा वनडे :** 23 जनवरी, न्यूलैंड्स, केप टाउन।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी ओलंपिक समिति ने की बाइडेन के समर्थन की सराहना

वॉशिंगटन । अमेरिकी ओलंपिक एवं पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) ने बीजिंग में आगामी शीतकालीन ओलंपिक खेलों के लिए देश के एथलीटों को मिले राष्ट्रपति जो बाइडेन के समर्थन की सराहना की है। यूएसओपीसी की सीईओ सारा हिर्शलैंड ने अमेरिका द्वारा शीतकालीन ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करने, लेकिन एथलीटों को इसमें भाग लेने की अनुमति देने की व्हाइट हाउस की घोषणा के बाद सोमवार को एक बयान में कहा कि हम राष्ट्रपति बाइडेन और उनके प्रशासन के अटूट समर्थन की सराहना करते हैं। हम जानते हैं कि वे इस सर्दी घर से हमारा उत्साहवर्धन करेंगे। अमेरिका की ओर से प्रतिस्पर्धा करना एक सम्मान और विशेषाधिकार है और अमेरिकी टीम देश को गौरवान्वित करने के लिए उत्साहित और तैयार है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सोमवार सुबह बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि अमेरिकी सरकार बीजिंग में 2022 शीतकालीन ओलंपिक का आधिकारिक तौर पर राजनयिक बहिष्कार करेगी।

भारत ने मुझे ब्रांड बनने का दिया मौका : ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो का मानना है कि भारत ने उन्हें वह ब्रांड बनने का मौका दिया है, जो वह वर्तमान में हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रशंसकों के प्यार के कारण देश उनके दिल के बहुत करीब हो गया है। ब्रावो अब अपने क्रिकेट करियर और संगीत के अलावा डीजेबी47 फैशन लेबल के साथ एक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो भारत में अगले साल लॉन्च के साथ ऑनलाइन उपलब्ध होगा। ब्रावो ने आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह मेरे लिए बहुत खास है। क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं आज भारत के बिना आधा भी ब्रांड होता। यह एक सच्चाई है और मैं भारत का आभार जताना चाहता हूं। जो मेरे घर से बहुत दूर है। मुझे यहां के लोगों से जो प्यार मिला है। इसलिए निश्चित रूप से मेरे दिल के बहुत करीब है। यही कारण है कि जब मैं संगीत या क्रिकेट की बात करता हूं, तो उसमें हमेशा भारतीय उपस्थिति होती है। बायो-बबल में क्रिकेट खेलने के बारे में बात करते हुए ब्रावो ने अपनी चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही सकारात्मक पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। ब्रावो के अनुसार, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से ऐसे क्षण आए हैं, जहां यह चुनौतीपूर्ण लगा है। मेरे कहने का मतलब है कि कोरोना महामारी में बहुत से लोगों ने अपनी नौकरी खो दी और कुछ लोगों ने अपनी जान गंवा दी। हम अभी भी दुनियाभर में अपने प्रशंसकों के लिए काम करने, खेलने, कमाने और मनोरंजन करने में सक्षम हैं। इसलिए, मैं हमेशा सकारात्मक पक्ष को देखता हूं। इस तरह में बायो-बबल से निपटता हूं। वहीं, 38 साल की उम्र वाले इस खिलाड़ी ने उम्मीद जताई है कि बायो-बबल जल्द ही खत्म हो जाएगा। ब्रावो ने आईएएनएस को आगे बताया, खिलाड़ियों के रूप में उम्मीद करता हूं कि बायो-बबल जल्द ही समाप्त हो जाएगा, क्योंकि यह खिलाड़ियों पर भारी पड़ रहा है।

2 महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे केन विलियमसन

स्पोर्ट्स डेस्क ।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन के उम्मीद से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहने की संभावना है, क्योंकि उनकी कोहनी की समस्या ने उन्हें परेशान कर दिया है। विलियमसन को अपनी कोहनी की चोट के कारण पिछले कुछ महीनों में न्यूजीलैंड और उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद दोनों के लिए खेल छोड़ना पड़ा है। उन्होंने हाल ही में टेस्ट सीरीज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत के खिलाफ टी20ढ्ढ सीरीज़ से बाहर होने का विकल्प चुना, लेकिन चोट के कारण मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दूसरे और अंतिम मुकाबले से चूकना पड़ा जिसमें टॉम लाथम को कप्तानी सौंपी गई थी। न्यूजीलैंड ने टी20 इंटरनेशनल को 3-0 से और टेस्ट सीरीज को 1-0 से गंवाया। विलियमसन पूरे दौरे में केवल एक मुकाबले (कानपुर में पहला टेस्ट) का हिस्सा रहे। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके अगले दो महीनों तक क्रिकेट से दूर रहने की संभावना है। हालांकि राष्ट्रीय टीम के कोच गैरी स्टीड के अनुसार विलियमसन की समस्या के इलाज के लिए सर्जरी की आवश्यकता नहीं होगी। स्टीड के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया कि केन ठीक है। पिछली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद और आईपीएल और टी20 विश्व कप से पहले लगभग 8 या 9 सप्ताह का समय था। हम इस स्तर पर समय सीमा नहीं लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि सर्जरी की संभावना नहीं है। सर्जरी केवल यह सुनिश्चित करेगी कि पुनर्वसन किया जाए। केन इसे कठिन कर रहा है, मुझे गलत मत समझो। वह न्यूजीलैंड के लिए खेलना पसंद करता है - वह किसी भी क्रिकेट को याद करने के विचार से नफरत करता है, न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट की तो बात ही छोड़ दें। स्टीड ने आगे कहा कि टी20 खेलों के माध्यम से केन का प्रबंधन बहुत आसान था क्योंकि यह कोहनी पर भार के बारे में है, इसलिए जैसे ही आप टेस्ट क्षेत्र में प्रवेश करते हैं और आप लंबे समय तक प्रशिक्षण और फिर बल्लेबाजी भी देखते हैं। खेल के छोटे रूपों में यह अधिक प्रबंधनीय है, टेस्ट क्रिकेट में यह कठिन है।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने दी टीम को सलाह, कहा- स्पिनर्स पर अधिक समय लगाएं

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान जेरेमी कोनी का मानना है कि भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में करारी शिकस्त मिलने के बाद उनकी टीम को अच्छी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ कौशल विकसित करने के लिए साहसी बनना होगा और इसमें समय और पैसा लगाने की जरूरत है। मुंबई में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे और दोनों पारियों में महज 62 तथा 167 रन ही बना सके। टीम ने सोमवार को यह टेस्ट मैच रिकॉर्ड 372 रन से गंवा दिया। कोनी ने कहा कि मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड क्रिकेट को साहसी होने की जरूरत है। उन्हें स्पिन गेंदबाजी में विश्वास करने और खेल के उस हिस्से के विकास के लिए समय और पैसा देने की जरूरत है। हमें ऐसी जगह चाहिए जहां खिलाड़ी बल्लेबाजी कोच की देख रेख में स्पिन का सामना करें। हमें खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रयास करना चाहिए। भारत में जन्मे न्यूजीलैंड के स्पिनर ऐजाज पटेल ने इस मैच की पहली पारी में सभी 10 विकेट लेकर आश्चर्यचकित प्रदर्शन किया। वह इस रिकॉर्ड को बनाने वाले तीसरे गेंदबाज है। उन्होंने दूसरी पारी में भी चार विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड के लिए 52 टेस्ट में 2668 रन बनाने वाले कोनी ने कहा कि एक और विकल्प यह है कि हम न्यूजीलैंड में ऐसे विकेट तैयार करे जहां दूसरों की तुलना में गेंद को अधिक स्पिन मिले। इससे बल्लेबाजों के साथ विकेटकीपर और क्षेत्ररक्षकों को भी इन पिचों के बारे में समझने का मौका मिलेगा। ये सभी पूर्णकालिक क्रिकेट है और मुझे लगता है कि हमें इस पर और अधिक काम करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड की यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने उसे 2007 में जोहानिसबर्ग में 358 रन से पराजित किया था।

एमसीजी में खेला जाना चाहिए पांचवां एशेज डे-नाइट टेस्ट: ब्रैंडन जूलियन

मेलबर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ब्रैंडन जूलियन चाहते हैं कि पांचवां एशेज टेस्ट डे-नाइट का हो और इसे मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाना चाहिए। 14 जनवरी से टेस्ट के मेजबान पर्थ को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सोमवार को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यू) प्रीमियर द्वारा लगाए गए सख्त क्वारंटीन नियम की वजह से मैच को दूसरी जगह पर कराए जाने पर विचार कर रहा है। पांचवें टेस्ट की मेजबानी के लिए एमसीजी सबसे आगे है, वहीं, क्रिकेट तस्मानिया (ब्लंडस्टोन एरिना, होबार्ट) और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) ने भी मेजबानी के लिए तैयार हो सकते है। एमसीजी 26 दिसंबर से तीसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट की मेजबानी करेगा, जबकि एससीजी चौथे एशेज टेस्ट की मेजबानी कर रहा है। लेकिन, पर्थ के बाहर होने से वित्तीय संकट को देखते हुए एमसीजी को पांचवें टेस्ट की भी मेजबानी मिलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के लिए सात टेस्ट और 25 वनडे मैच खेलने वाले जूलियन ने मंगलवार को स्पोर्ट्सडे को बताया, मैं ईमानदारी से मेलबर्न में डे-नाइट मैच देखना पसंद करूंगा।

हरभजन अगले सत्र में बड़ी IPL फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ से जुड़ने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

भारत के पूर्व आफ स्पिनर हरभजन सिंह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की एक बड़ी फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ के अहम सदस्य के रूप में नजर आएंगे। पिछले आईपीएल के पहले चरण में 41 साल के हरभजन ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से कुछ मुकाबले खेले थे लेकिन लीग के यूएई चरण में एक भी मैच नहीं खेले। उम्मीद है कि हरभजन अगले हफ्ते प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास की घोषणा करेंगे और इसके बाद उनके कुछ फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ से जुड़ने की पेशकश में से किसी एक को स्वीकार करने की उम्मीद है। आईपीएल के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'यह भूमिका सलाहकार, मार्गदर्शक या सलाहकार समूह का हिस्सा बनने की हो सकती है लेकिन वह जिस फ्रेंचाइजी से बात कर रहा है वह उसके अनुभव का इस्तेमाल करना चाहती है। वह नीलामी में खिलाड़ियों को चुनने में भी फ्रेंचाइजी की मदद करने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।% हरभजन ने हमेशा खिलाड़ियों को निखारने में रुचि दिखाई है और एक दशक तक मुंबई इंडियन्स से जुड़े रहने के दौरान बाद के वर्षों में टीम के साथ उनकी यही भूमिका थी। पिछले साल केकेआर के साथ जुड़े रहने के दौरान हरभजन ने वरूण चक्रवर्ती का मार्गदर्शन करने में काफी समय बिताया। आईपीएल के पिछले सत्र की खोज रहे वेंकटेश अय्यर ने इससे पहले खुलासा किया था कि हरभजन ने केकेआर की ओर से उनके एक भी मैच नहीं खेलने से पहले कुछ नेट सत्र के बाद कहा था कि वह लीग में सफल रहेंगे। यहां तक कि पिछले सत्र में केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान इयोन मोर्गन ने भी टीम चयन के मामलों में हरभजन की सलाह मानी थी।

सूत्र ने कहा, 'हरभजन सत्र खत्म होने के बाद संन्यास की औपचारिक घोषणा करना चाहता है। एक फ्रेंचाइजी के साथ उसने विस्तृत बात की है जिसने काफी रुचि दिखाई है लेकिन करार की औपचारिकता पूरी होने के बाद ही वह इस बारे में बात करना पसंद करेगा।%

2019 यूएस ओपन चैंपियन आंद्रीस्कू ऑस्ट्रेलियन ओपन से हुईं बाहर

मेलबर्न। कनाडाई टेनिस स्टार और 2019 यूएस ओपन चैंपियन बियांका आंद्रीस्कू मानसिक स्वास्थ्य के कारण मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर होने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।आंद्रीस्कू, जो अक्टूबर 2019 में दुनिया की नंबर 4 की खिलाड़ी थी, जो वर्तमान में 46वें नंबर पर खिसक गई। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि वह बहुत दिनों से अच्छा महसूस नहीं कर रही हैं, खासकर अभ्यास के दौरान। आंद्रीस्कू ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं, पिछले दो साल मेरे लिए कई कारणों से बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं। विशेष रूप से इस साल मैंने कई सप्ताह आइसोलेशन क्वारंटाइन में बिताए, जिसने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित किया। आंद्रीस्कू ने आगे कहा, बहुत दिनों से मैं अच्छा महसूस नहीं कर रहा थी, खासकर जब मैं अभ्यास कर रही थी। मैं काफी समस्याओं से जूझ रही थी। वहीं आइसोलेशन और क्वारंटाइन ने मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रभावित किया। इसलिए मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर होने का फैसला किया।

सूरत भूमि , सूरत ।एक आईएएस ऑफिसर के भ्रष्टाचार की प्रतीक है यह बिल्डिंग जो आसमान में बनाकर बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल के नाम से प्रसिद्ध है इसीलिए कहा गया है कि " जब सैंया भए कोतवाल तो अब डर काहे का होय" आज जनता का नेतृत्व करने वाला नेता इतना दमदार निकला है कि हिटलर का रोल अदा कर रहा है क्योंकि इस बिल्डिंग की हजारों शिकायत होने के बावजूद स्थानीय अधिकारियों की हिम्मत नहीं पड़ती कि इस बिल्डिंग की गैरकायदेसरता को साबित कर सके ऐसी स्थिति में अवैध बिल्डिंग भी फल फूल रही है जिस दिन किसी भी प्रकार का बड़ा हादसा होगा तो क्या इसका जवाबदेह महानगर पालिका के कर्मचारी होंगे क्योंकि जो बिल्डिंग बीएमसी के नियमानुसार प्लान पास के दायरे में नहीं आती उसकी जवाबदारी कौन अधिकारी ले सकता है या उस समय के नेता जवाबदारी लेंगे हां यह मानना पड़ेगा कि जब तक नेता सत्ता पक्ष में रहते हैं तब तक अधिकारी नेता के आदेश का पालन करते हैं लेकिन जनता के टैक्स से पगार लेने वाले अधिकारी जनता की सुविधा पर ध्यान देते हैं ऐसी स्थिति में यह भी मानना पड़ेगा कि देश भ्रष्ट नेताओं के आदेश से चल रहा है और अधिकारी जनता की नहीं बल्कि नेता की गुलामी बजा रहे हैं ठीक इसी तरह हिटलर भी अकेले पूरे देश का संचालन करता था उसी तरह आज वर्तमान में जनता द्वारा चुने गए नेता जनता के भविष्य को अंधकार में रखकर पूंजीपतियों के इशारे पर चल और चला रहा है इस विस्तार के महिला विधायक को भी इस बात की जानकारी दी गई परंतु आज तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई इससे यह साबित होता है कि सबका आका एक है मानो या ना मानो यह आपकी मर्जी....

ओमीक्रॉन के बढ़ते आतंक के बीच विदेश से आए ४ यात्री लापता

महिसागर ।

देश में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन का खतरा बढ़ता ही जा रहा है । देश में ओमीक्रॉन संक्रमित मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है । देश में ओमीक्रॉन से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर २३ हो गई है । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि महिसागर में विदेश से ४ यात्री पिछले कुछ दिनों से गायब हो गए हैं।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार २५ से अधिक यात्री विदेश से महिसागर जिले में आए हैं। जिसमें से ४ यात्री लापता पाए गए है । जिनमें से २ लुनावाड़ा और २ बालासिनोर के रहने का अनुमान है।

गुजरात में ओमीक्रॉन के दशहत के बीच ४ विदेशी यात्रियों के लापता होने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है. स्वास्थ्य विभाग ने लापता यात्रियों की तलाश शुरू कर दी है।

गुजरात में ओमिक्रोन का पहला मामला जामनगर में सामने आया था. जिम्बाब्वे से आया एक व्यक्ति ओमिक्रोन वेरिएंट से संक्रमित पाया गया था । बीते दिनों उसका सैंपल पुणे भेजा गया था। अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने इस सिलसिले में जानकारी देते हुए बताया कि जामनगर में ओमिक्रोन वेरिएंट का जो सक्रिय व्यक्ति मिला है उसे आइसोलेट किया गया है । उनके मकान को माइक्रो कंटेनमेंट ज ोन बनाया गया है. सारी सावधानियों का पालन करते हुए टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट की जाएगी ।

बलात्कार के आरोपी को सिर्फ २९ दिन में फांसी की सजा

सूरत के पांडेसरा इलाके में ढाई साल की बच्ची पर बलात्कार के आरोप में २९ दिन के भीतर मौत की सजा सुनाई गई है।

सूरत ।

गुजरात के इतिहास में सूरत की अदालत ने सबसे तेज फैसला सुनाया है । सूरत के पांडेसरा इलाके में ढाई साल की बच्ची पर अश्लील फिल्म देखने के बाद बलात्कार के आरोप में २९ दिन के भीतर मौत की सजा सुनाई गई है । ७ दिन में सुनवाई पूरी करने के बाद सोमवार को आरोपी को दोषी करार दिया गया । अदालत ने मंगलवार को अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को फांसी की सजा दी है । पांडेसरा-वडोद में एक महीने पहले ढाई साल की बच्ची के साथ बलात्कार करने और उसकी हत्या के आरोप में ३८ वर्षीय आरोपी गुड्डू यादव को सोमवार को कोर्ट ने दोषी ठहराया और फैसला मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया था ।

कोर्ट में मुख्य जिला जिला सरकारी वकील नयन सुखड़वाला ने दलील देते हुए कहा कि आरोपी ने सिर्फ बच्ची की नहीं बल्कि भारत के भविष्य की हत्या की है । इसलिए आरोपी को सख्त से सजा होनी चाहिए. मुख्य जिला जिला सरकारी वकील नयन सुखड़वाला ने इस पूरे मामले को दुर्लभ से दुर्लभतम करार देते हुए कहा कि आरोपी को अधिकतम मौत की सजा दी जानी चाहिए । दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी गुड्डू यादव को फांसी की सजा सुनाई है ।

हर घर जल योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में 89 प्रतिशत नल कनैक्शन दिए गए

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हर घर जल योजना के तहत शेष घरों में सितंबर 2022 तक नल कनेक्शन देने का जलापूर्ति विभाग को निर्देश दिया है। गांधीनगर में आज मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में हर घर जल योजना की प्रगति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई। जिसमें जलापूर्ति मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्यमंत्री जीतु चौधरी और जलापूर्ति सचिव धनंजय द्विवेदी और जलापूर्ति बोर्ड समेत वास्मो के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष जलापूर्ति विभाग द्वारा हर घर जल योजना के संदर्भ में पेश किए गए प्रेजन्टेशन में बताया गया कि राज्य के 6 जिले, 68 तहसील और 12910 गांवों में 100 प्रतिशत नल कनैक्शन का काम पूर्ण हो गया है। राज्य के ग्रामीण घरों में 89 प्रतिशत पानी का कनैक्शन दे दिया गया है। पिछले वर्ष राज्य में 10.94 लाख घरों में नल कनैक्शन दिया गया, जबकि इस वर्ष 10 लाख के लक्ष्य के तहत अब तक 6.38 लाख घरों में नल कनैक्शन का काम पूर्ण हो गया है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जिन 9.3। लाख घरों में नल कनैक्शन बाकी है, उसका काम सितंबर 2022 तक पूर्ण करने का जलापूर्ति विभाग को आदेश दिया है। भूपेन्द्र पटेल ने जलापूर्ति के क्षेत्र में समग्र राज्य में होलिस्टिक एप्रोच के लिए और योजनाओं के आयोजन में औद्योगिक जरूरतें तथा शहरी क्षेत्रों की आवश्यक्ताओं को भी शामिल करने का विभाग को आदेश दिया है। आदिजाति क्षेत्र में नल से जल के तहत जनभागीदारी मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि जलापूर्ति विभाग द्वारा योजनाओं की मंजूरी की प्रक्रिया सरल बनाकर अमलीकरण को गति दी गई है। इतना ही नहीं भारत सरकार से मिले अनुदान का अधिकतम उपयोग हो ऐसा भी आयोजन किया गया है। राज्य में पीने के पानी की योजनाओं के आयोजन में अर्बन आउटग्रोथ एरिया और आदिजाति क्षेत्र के समग्र मुहल्ले को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने जलापूर्ति विभाग के कामकाज पर संतोष व्यक्त किया।

ओमिक्रॉन संक्रमित मरीज के घर ट्यूशन के लिए जानेवाले एक विद्यार्थी की रिपोर्ट पॉजिटिव

जामनगर।

जामनगर में ओमिक्रॉन का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। ओमिक्रॉन संक्रमित मरीज के यहां ट्यूशन के लिए जानेवाले । विद्यार्थियों का कोरोना टेस्ट किया गया था। जिसमें से एक विद्यार्थी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि अन्य 6 विद्यार्थियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जिस विद्यार्थी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, उसके सैम्पल परीक्षण के लिए लेबोरेटरी भेज दिए गए हैं। ओमिक्रॉन संक्रमित मरीज की पत्नी और साले की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जामनगर महानगर पालिका की गंभीर लापरवाही सामने आई है। ओमिक्रॉन मामला दर्ज होने के बावजूद महानगर पालिका प्रशासन गंभीर नहीं है। जिस घर में ओमिक्रॉन संक्रमित मरीज मिला उस घर में ट्यूशन क्लास कैसे चल रहा था? आखिरकार जब ओमिक्रॉन संक्रमित मरीज होम कोरन्टाइन था, तब ट्यूशन के लिए विद्यार्थी क्यों पहुंचे? क्या विद्यार्थियों के अभिभावकों को ट्यूशन संचालक ने कोई जानकारी नहीं दी? ओमिक्रॉन संक्रमित होने के बावजूद दो दिनों तक घर में ट्यूशन क्लास चलता रहा। नगर पार्षद को जब इसका पता चला तो उन्होंने प्रशासन से इसकी शिकायत की और उसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्यवाही की तथा ट्यूशन के लिए आनेवाले । विद्यार्थियों की पहचान कर उनका टेस्ट करवाया। जिसमें एक विद्यार्थी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि अन्य 6 विद्यार्थियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

अहमदाबाद में ४८ लड़कियां नशे के जाल से निकाली गईं

गुजरात पुलिस ने नशे की आदी हो रही युवा पीढ़ी को सही राह पर ले जाने का बीड़ा उठाया है।

अहमदाबाद।

गुजरात पुलिस ने नशे की आदी हो रही युवा पीढ़ी को सही राह पर ले जाने का बीड़ा उठाया है । अहमदाबाद पुलिस ने इसकी शुरुआत की । ड्रग्स के चक्रव्यूह से ४८ लड़कियों को बाहर निकाल गया । इनसे चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है । ज्यादातर लड़कियां बड़े घरों की हैं और काफी पढ़ी-लिखी भी । नशे की आदत ने उन्हें जिस्मफरोशी तक के लिए मजबूर कर दिया । ऐसी ही एक लड़की ने भास्कर को बताया कि किस तरह से वह ड्रग्स के दलदल में उतरी और इसमें धंसती चली गई । पढ़िए ऐसी ही लड़कियों की दो कहानियां...

अहमदाबाद के होटल मार्वल में पुलिस ने जुलाई २०२० में छापा मारा । यहां २० साल की लड़की मिली थी, जिसकी शादी हो गई थी । पुलिस ने बताया कि वह अच्छे घर की लड़की थी । उसने बताया कि ड्रग्स डीलर पहले तो पैसेवाले घरों की लड़कियों को नशे के जाल में फंसाते हैं । इसके बाद जब वो लड़की बुरी तरह नशे की आदी हो जाती है तो उसे पैसों के लिए जिस्म बेचने पर भी मजबूर करते हैं।

यह लड़की अपने हाथ पुलिसवालों से छिपाने की कोशिश कर रही थी । दरअसल, नशे के इंजेक्शन लेने से उसके हाथों और शरीर के अन्य हिस्सों पर निशान पड़ गए थे और यही निशान छिपाने की वह कोशिश कर रही थी । उसने पुलिस से अंग्रेजी में बात की और अपनी बातें सामने रखीं । बताया कि वह एक नामी साइंस कॉलेज में पढ़ रही है, लेकिन नशे की लत की वजह से यहां तक पहुंच गई ।

उसने बताया कि कुछ समय पहले एक दोस्त के साथ पार्टी में गई थी, जहां अजनबी लड़के भी आ रहे थे । इस हाई प्रोफाइल पार्टी में नशा एक स्टेटस सिंबल था । साथ की लड़कियां ऐसा कर रही थीं तो उसने भी यह कदम उठा लिया । बाद में ड्रग्स डीलर के संपर्क में आई और पूरी पॉकेटमनी ड्रग्स पर खर्च करने लगी । कोरोना में पिता का कारोबार ठप हो गया तो पॉकेटमनी भी बंद हो गई । डीलर ने शुरुआत में तो फ्री में डोज दी पर बाद में उसने ऐसा करना बंद कर दिया । लड़की ने बताया कि उसने ड्रग्स डीलर से ड्रग्स मांगी और बताया कि पैसे भी नहीं हैं । इसके बाद डीलर ने कहा कि एक घंटे के लिए होटल में जाओ और जो कुछ भी कहा जाए, सब करो । ड्रग पैडलर उसे ड्रग्स का डोज देने से पहले होटल ले जाता था और उससे जिस्मफरोशी कराता था । जब लड़की के परिवार को इसका पता चला तो उन्होंने उसकी शादी करा दी, लेकिन शादी के बाद भी वह ड्रग्स पैडलर के लिए काम करती रही ।

अहमदाबाद की एक जानी-मानी कंपनी के मालिक की बेटी को ड्रग्स की लत लग गई । शुरू में तो परेशानी नहीं हुई, पर नशा करते-करते उसे पैसों की किल्लत होने लगी । ड्रग्स डीलर ने जब बिना पैसों के ड्रग्स देने से इनकार कर दिया तो वह उसके सामने गिड़गिड़ाने तक लगी । इसके बाद ड्रग्स डीलर ने ही उसे जिस्मफरोशी के बाजार में उतार दिया । पैसों के लिए उसे होटलों में भेज ने लगा ।

एथर एनर्जी ने गुजरात में अपने खुदरा परिचालन का विस्तार किया, सूरत में पहले अनुभव केंद्र का उद्घाटन किया

सूरत : भारत की पहली बुद्धिमान इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने आज सूरत के वेसु में एक नए रिटेल आउटलेट - एथर स्पेस का उद्घाटन किया। नया एक्सपीरियंस सेंटर गुजरात में ब्रांड का दूसरा रिटेल आउटलेट होगा। इस साल की शुरुआत में अहमदाबाद में पहला एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया गया था। राज्य में एथर 450X और 450 प्लस इलेक्ट्रिक स्कूटरों की मजबूत उपभोक्ता मांग को देखते हुए विस्तार किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए, एथर एनर्जी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, रवनीत सिंह फोकेला ने कहा, "जनवरी में हमारे अहमदाबाद अनुभव केंद्र के शुभारंभ के बाद से गुजरात को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उपभोक्ता अब इलेक्ट्रिक के लाभों से अवगत हैं और आशा करते हैं कि इलेक्ट्रिक स्कूटर एक अद्वितीय सवारी और स्वामित्व अनुभव प्रदान करते हैं। नतीजतन, एथर 450X और 450 प्लस स्कूटर की मांग काफी बढ़ रही है क्योंकि वे वर्तमान में भारत में सबसे अच्छे स्कूटर हैं।गुजरात में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, हम और अधिक शहरों में विस्तार करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि राज्य में अधिक उपभोक्ता इलेक्ट्रिक स्कूटर की ओर रुख कर रहे हैं।"

अहमदाबाद स्टोर और राज्य में सब्सिडी शुरू होने के बाद गुजरात राज्य में एथर एनर्जी की मांग में लगभग 8 गुना वृद्धि देखी गई है। सूरत में स्टोर ग्राहकों को अपने शहर में सुविधाजनक स्थान पर अपनी पसंद के ईथर स्कूटर का अनुभव करने में सक्षम बनाएगा। अनुभव केंद्र एक गतिशील, अनुभवात्मक और संवादात्मक स्थान प्रदान करता है। इस स्टोर का उद्देश्य ग्राहकों को वाहन के हर पहलू के बारे में सूचित करना और प्रत्येक एथर स्कूटर में इंजीनियरिंग और यांत्रिक प्रयासों को देखने का अवसर प्रदान करना है।सूरत के निवासी एक्सपीरियंस सेंटर फॉर कनेक्टेड एंड इंटेलिजेंट स्कूटर राइडिंग एक्सपीरियंस पर जाने से पहले कंपनी की वेबसाइट पर टेस्ट राइड स्लॉट बुक कर सकते हैं। अनुभव केंद्र कटारिया समूह के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है।

कटारिया समूह के कार्यकारी निदेशक धर्मेंद्र मिश्रा ने कहा, "हम अहमदाबाद के बाद सूरत में खुदरा भागीदार के रूप में एथर एनर्जी के साथ जुड़कर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम अहमदाबाद में एक्सपीरियंस सेंटर में पिछले एक साल में ग्राहकों की प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं और हम इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सूरत और दक्षिण गुजरात के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में रुचि रखने वालों का स्वागत करने और उन्हें अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।"

सूरत भूमि , सूरत। ता. 7 दिसंबर 2021 मंगलवार के दिन सुबह 8:15 बजे बजाते गाते श्री शत्रुंजय महातीर्थ के बगल में निर्माण हो रही श्री शंखेश्वर पुरम तीर्थ के मूलनायक श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान शिव कार्तिक एन्क्लेव में आए जिससे एक दिन के लिए परमात्मा की भक्ति करने का लाभ शिवकार्तिक एंक्लेव में रह रहे लोगों को मिला। इस अवसर पर परम पूज्य पद्मदर्शन विजय जी पधार कर मांगलिक आदेश देंगे जो लोग इस प्रभाव का लाभ लेना चाहते हैं बताएं

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)